दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -244 जबलपुर, रविवार 19 अक्टूबर 2025 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

राजनाथ सिंह की सीधी चेतावनी

ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन, कहा- ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलर!

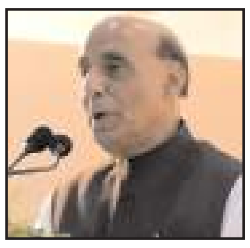

नई दिल्ली-(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सैन्य ताकत उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां जीत एक आदत बन गई है। लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई मामूली बात नहीं है। जीत हमारी आदत बन गई है। राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई।

बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली के निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित अपने नए एकीकरण और परीक्षण केंद्र से इस मिसाइल प्रणाली की पहली खेप का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। उन्होंने सशस्त्र बलों की सटीकता और तैयारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के दुश्मन अब देश की उन्नत मिसाइल क्षमताओं से बच नहीं सकते। रक्षा मंत्री ने कहा, देश को विश्वास है कि हमारे दुश्मन अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। पाकिस्तान की हर इंच ज़मीन अब हमारे ब्रह्मोस की पहुँच में है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ वह तो बस एक ट्रेलर था। लेकिन उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो मुझे इस बारे में और कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है कि वह और क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर एक मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी ताक़त दे रही है। मिसाइल के उत्पादन से मिलने वाले टैक्स से, सरकार कई स्कूल बना सकती है, कई हॉस्पिटल खड़े कर सकती है, और ऐसी योजनाएं चला सकती है, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को बेहतर करें। यानी ब्रह्मोस सिर्फ हथियार नहीं है, यह हमारे बच्चों के लिए शिक्षा, हमारे परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पूरे समाज के लिए अवसरका रास्ता भी खोलता है।

इंदौर में तीन मंजिला घर में भीषण आग से 11 वर्षीय लड़के की मौत, पांच बीमार

इंदौर- इंदौर में तीन मंजिला घर में शुक्रवार देर रात भीषण आग लगने के बाद धुएं के कारण दम घुटने से 11 वर्षीय लड़के की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के पांच सदस्य बुरी तरह बीमार हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

जूनी इंदौर पुलिस थाने के प्रभारी अनिल गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कबाड़ का कारोबार करने वाले एक व्यक्ति के तीन मंजिला घर में देर रात करीब दो बजकर 15 मिनट पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। उन्होंने बताया कि घर के आगे के हिस्से में कबाड़ रखा जाता है, जबकि पिछले हिस्से में लोग रहते हैं। गुप्ता ने बताया कि कबाड़ में फोम और स्पंज शामिल होने के कारण लपटों ने तेजी से पूरे घर को अपनी जद में ले लिया।

दिल्ली जा रही गरीब रथ ट्रेन में लगी भीषण आग

पंजाब के सरहिंद स्टेशन पर हुआ हादसा, मची अफरातफरी

सरहिंद. पंजाब के सिरहिंद रेलवे स्टेशन पर अमृतसर-सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12204) के एक कोच में अचानक आग लग गई. घटना सुबह करीब 7:30 बजे की है. जैसे ही कोच से धुआं उठता देखा गया, रेलवे अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए यात्रियों को अन्य कोचों में सुरक्षित शिफ्ट कर दिया. रेलवे की फायर यूनिट और स्थानीय दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया. अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. आग पर नियंत्रण के बाद ट्रेन को जल्द ही अपने डेस्टिनेशन की ओर रवाना किया जाएगा. यात्रियों के मुताबिक, ट्रेन ने सुबह सात बजे सरहिंद स्टेशन क्रॉस किया था. इसी दौरान एक यात्री को ट्रेन की बोगी नंबर 19 से धुआं उठता दिखा. उसने तुरंत शोर मचाते हुए चेन खींच दी. धुएं के साथ आग की लपटें भी उठने लगी तो अफरातफरी मच गई. सूचना मिलते ही रेलवे, फायर बिग्रेड और पुलिस टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया. इससे पहले अफरातफरी के बीच यात्री बोगी से उतरने लगे. इसमें कई यात्री चोटिल भी हो गए. कुछ का सामान भी बोगी में छूट गया. बोगी नंबर 19 में आग लगी देख उसके आसपास की बोगी में सवार यात्री भी नीचे उतर आए. ट्रेन में सवार टीटीई और ट्रेन के पायलट भी मौके पर पहुंचे. उन्होंने तुरंत इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल को दी.

धनतेरस की त्योहारी भीड़ से दिल्ली-एनसीआर में यातायात चरमराया, सड़कों पर भारी जाम लगा, लोगों ने घंटों ट्रैफिक में बिताए

नई दिल्ली/गुरुग्राम। दीपावली से ठीक पहले धनतेरस के शुभ अवसर पर शनिवार 18 अक्टूबर 2025 को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में खरीदारी के लिए घरों से निकले लोगों के कारण सड़कों पर भारी यातायात जाम की स्थिति बन गई। राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बाजारों की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दीं, जिससे यातायात व्यवस्था लगभग चरमरा गई। शाम 7:41 बजे तक भी कई प्रमुख सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए, जिसके दृश्य सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों से सामने आ रहे विजुअल्स में सड़कों पर वाहनों की धीमी गति और भीषण जाम साफ देखा जा सकता है। खास तौर पर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर भारी यातायात की खबर मिली, जहां यात्रियों को घंटों तक फंसे रहना पड़ा। दक्षिणी दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के पास भी यातायात का भारी दबाव देखा गया। आवागमन करने वाले लोगों ने त्योहारी सीजन के दौरान खराब यातायात प्रबंधन और अपर्याप्त योजना पर अपनी निराशा व्यक्त की है। शहर की अन्य प्रमुख धमनियों जैसे राव तुला राम मार्ग पर भी जाम की सूचना मिली है। इसके अलावा, एम्स (ढ्ढढ्ढरूस्) के पास रिंग रोड से आश्रम चौराहे की ओर जाने वाले रास्ते पर भी यातायात बाधित रहा, जिससे ऑफिस से लौट रहे और खरीदारी के लिए निकल रहे लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल, धनतेरस के मौके पर लोग समृद्धि के प्रतीक के रूप में बहुमूल्य धातुएं (सोना, चांदी) और अन्य कीमती सामान खरीदते हैं, जिसके कारण ज्वेलरी बाजारों में भारी भीड़ उमड़ी। कोटला मुबारकपुर जैसे प्रमुख बाजारों में शाम ढलने के साथ ही ग्राहकों की संख्या बढ़ती गई, और देर रात तक और अधिक भीड़ जुटने की उम्मीद थी। इन बाजारों में उमड़ी भीड़ ने भी आसपास की सड़कों पर यातायात के दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। त्योहारी सीजन की भीड़ को देखते हुए, दिल्ली पुलिस ने पहले ही यातायात सलाह जारी कर दी थी। पुलिस ने 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक चांदनी चौक और आसपास के बाजारों में उत्सव के कारण भीड़ और यातायात जाम की आशंका के संबंध में दिशा निर्देश दिए थे।

ब्यावरा में प्राकृतिक आपदा प्रभावित किसानों के खातों में 277 करोड़ की राहत राशि अंतरित

किसानों को दीपावली मनाने के लिए धन की कोई कमी नहीं -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के देश में किसानों को दीपावली का त्यौहार मनाने के लिए धन की कोई कमी नहीं है। किसानों के हर संकट में राज्य सरकार उनके साथ खड़ी है। राजगढ़ जिले के लिए धनतेरस के दिन लगभग 500 करोड रुपए की सौगात मिल रही है यह एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजगढ़ जिले के ब्यावरा में शनिवार को किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों के खातों में 277 करोड़ की राहत राशि अंतरित की। उन्होंने 226.81 करोड़ रूपये की योजनाओं का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 33 करोड़ रूपये लागत की ब्यावरा नगर जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन एवं 193 करोड रूपये लागत के 41 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश तरक्की कर रहा है। आकांक्षी जिले के माध्यम से राजगढ़ की तस्वीर बदल गई है। जब से हमारी सरकार बनी है पूरे क्षेत्र में विकास की धारा बह रही है। पहले खेती और पानी की कल्पना करना मुश्किल थी अब प्रदेश में सिंचाई का रकबा इतना बढ़ गया है कि हर खेत को सिंचाई के लिए पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सूखे खेतों में समय पर पानी मिल जाए तो फसल सोने की हो जाती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बिजली की कोई कमी नहीं है। प्रदेश में इतनी बिजली है कि यहां की बिजली से दिल्ली की मेट्रो चल रही है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत होकर सभी को देश के विकास में योगदान देना चाहिए। हम सबके मन में एक ही सपना हो भारत आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले गेहूं ?100 क्विंटल खरीदा जाता था लेकिन हमने इसे इतना बढ़ा दिया है कि अब ?2600 प्रति क्विंटल में खरीदा गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों के सम्मान में खड़ी है। किसान सम्मान निधि के रूप में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा 6-6 हजार रुपए की राशि देने का कार्य किसानों का सम्मान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रोड शो के बाद मुख्य समारोह में शामिल हुए। उन्होंने गौवंश की पूजा की। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने मंच पर कन्या पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

एमपी के उज्जैन में भीषण हादसा, कार-डंपर की भिड़ंत में 3 युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

उज्जैन। एमपी के उज्जैन जिले के आगर रोड पर घट्टिया के ग्राम जैथल के पास कार और डंपर की आपस में आमने-सामने की जबर्दस्त भिड़ंत हो गई। भिड़ंत इतनी खतरनाक थी कि कार का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। घटना में कार में सवार चार में तीन युवकों की मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है।

युवक बडऩगर और उज्जैन के रहने वाले हैं और नलखेड़ा में बगलामुखी माता मंदिर के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। बडऩगर के इंगोरिया निवासी आदित्य पंड्या उम्र 22 वर्ष, अभय पंडित उम्र 20 वर्ष, उज्जैन के राजेश रावल उम्र 50 वर्ष व शैलेन्द्र आचार्य उम्र 20 वर्ष नलखेड़ा में दर्शन कर पुन: उज्जैन लौट रहे थे। जैथल के पास रात को 12.30 बजे गलत दिशा से आ रहे डंपर से कार की टक्कर हो गई। डंपर अलिसा फूड कंपनी का बताया जा रहा है। टक्कर में आदित्य पंड्या, अभय पंडित, राजेश रावल की मौत हो गई। शैलेंद्र आचार्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। डंपर चालक फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची

संसद के करीब ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में भीषण आग, कई सांसदों का आवास है यहां

नई दिल्ली -नई दिल्ली स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल की टीमें मौके पर पहुँचीं और राहत कार्य शुरू किया। छह गाड़ियाँ घटनास्थल पर भेजी गई हैं। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट, नई दिल्ली में डॉ. बिशंभर दास मार्ग पर स्थित राज्यसभा सांसदों के लिए एक आवासीय परिसर है। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट के निवासी विनोद ने कहा कि मेरा कुत्ता अंदर फंस गया था। मेरी बेटी की शादी कुछ ही महीनों में होने वाली है, और जो भी गहने, सोना और कपड़े हमने खरीदे थे, वे भी अंदर हैं... मेरी पत्नी और मेरा एक बच्चा भी जल गया। वे अस्पताल में हैं... हमें कोई सुराग नहीं है कि आग कैसे लगी... मेरा घर तीसरी मंजिल पर है।

इस बीच, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद साकेत गोखले ने कहा कि अपार्टमेंट संसद भवन से सिर्फ़ 200 मीटर की दूरी पर है। एक एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में, उन्होंने दिल्ली सरकार की भी आलोचना की और कहा कि दमकल विभाग ने आग लगने की सूचना पर तुरंत कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, सभी निवासी राज्यसभा सांसद हैं। इमारत संसद भवन से 200 मीटर की दूरी पर है। 30 मिनट से कोई दमकल विभाग नहीं आया है। आग अभी भी जल रही है और बढ़ती जा रही है। बार-बार सूचना देने के बावजूद दमकल गाड़ियाँ गायब हैं। दिल्ली सरकार, कुछ तो शर्म करो

महागठबंधन नहीं ठगबंधन, तेजस्वी पर जनता को भरोसा नहीं-गिरिराज

बिहार-केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के लिए तैयार है। साथ ही, उन्होंने विपक्षी महागठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह खंडित अवस्था में है - दिल के टुकड़े हज़ार हुए, कोई यहाँ गिरे, कोई वहाँ गिरे। सिंह ने यह भी कहा कि बिहार में महागठबंधन जैसी कोई चीज़ नहीं है, और राजद नेता तेजस्वी यादव में जनता की उदासीनता को दर्शाया।

गिरिराज सिंह ने एएनआई से कहा, 2010 में जेडी(यू) और बीजेपी ने मिलकर 206 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। इस बार हम उससे भी आगे जाएंगे। हमारे पास नेता, नेतृत्व और कार्यक्रम है। महागठबंधन जैसी कोई चीज नहीं है, तेजस्वी यादव पर कोई भरोसा नहीं है। वे एक-दूसरे को नेता मानने को तैयार नहीं हैं। उनके पास न तो नेता है और न ही नेतृत्व। विपक्षी गुट पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, महागठबंधन दिल के टुकड़े हज़ार हुए, कोई यहाँ गिरे,

पीओके में हड़कंप! पीएम हक पर शरणार्थियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

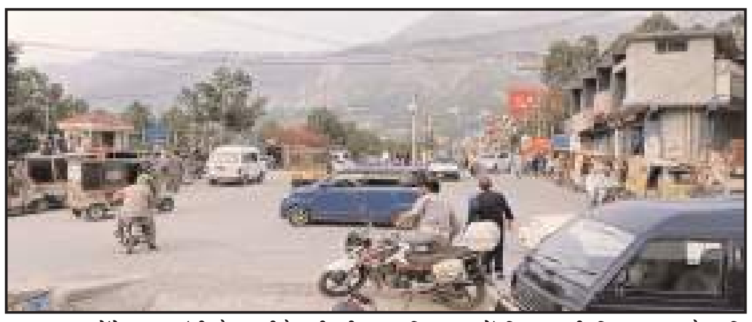

नई दिल्ली-(आरएनएस)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) के प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के मंत्रिमंडल के तीन वरिष्ठ मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री मौजूदा राजनीतिक उथल-पुथल और क्षेत्र के लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में विफलता के लिए ज़िम्मेदार हैं। सूचना मंत्री पीर मज़हर सईद पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं, जबकि वित्त मंत्री अब्दुल मजीद खान, खाद्य मंत्री चौधरी अकबर इब्राहिम और मंत्री असीम शरीफ भट ने भी अपने इस्तीफे की घोषणा की है, जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, मंत्रियों ने हक पर पीओजेके के निवासियों के साथ-साथ पाकिस्तान में रह रहे 25 लाख कश्मीरी शरणार्थियों के संवैधानिक और राजनीतिक अधिकारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की भी मांग की और आरोप लगाया कि उन्होंने नैतिक और राजनीतिक वैधता खो दी है। असहमति जताने वाले मंत्रियों ने हालिया अशांति से निपटने के सरकार के तरीके और क्षेत्र के विधायी ढांचे में शरणार्थी आबादी के प्रतिनिधित्व के प्रति उसकी कथित उदासीनता पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। अपने त्यागपत्र में, अब्दुल मजीद खान ने पाकिस्तान में विलय की विचारधारा के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कहा कि उनका रुख कश्मीरी शरणार्थियों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा में निहित है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर संयुक्त कार्रवाई समिति (छ्वष्ट) की तीखी आलोचना की, जिसने पीओजेके विधानसभा में शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को समाप्त करने की विभाजनकारी और अवसरवादी मांग को आगे बढ़ाया। खान ने तर्क दिया कि छ्वष्ट और संघीय प्रतिनिधियों के बीच हुए समझौते में वैधता और आम सहमति का अभाव था, जिससे हजारों विस्थापित कश्मीरियों के अधिकारों पर प्रकाश डाला गया। इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए, खाद्य मंत्री चौधरी अकबर इब्राहिम ने कहा कि शरणार्थी मात्र राजनीतिक संख्या नहीं हैं, बल्कि देशभक्त पाकिस्तानी हैं जिन्होंने दशकों तक अलगाव और कष्ट सहे हैं। उन्होंने हक सरकार पर उनकी संवैधानिक स्थिति की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे नेतृत्व में सेवा जारी रखना असंभव हो गया है, जैसा कि द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने उद्धृत किया है। खान और इब्राहिम दोनों ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

योगी सरकार पर अखिलेश का हमला- बिजली, ट्रैफिक, स्मार्ट सिटी... कहीं नहीं विकास!

उत्तर प्रदेश - समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को धनतेरस और दिवाली की सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने योगी सरकार की तीखी आलोचना करते हुए उसे निकम्मी सरकार करार दिया और कहा कि इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। एक सभा को संबोधित करते हुए, सपा प्रमुख ने कहा कि यह निकम्मी सरकार है। इससे बिजली की उम्मीद मत कीजिए। राज्य की हालत यह है कि लखनऊ में हर जगह ट्रैफिक जाम है, फिर भी इसे स्मार्ट सिटी कहा जा रहा है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि लखनऊ को तीसरा सबसे स्मार्ट शहर घोषित करने वाले अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा, शहर में इतना कचरा और ट्रैफिक है। करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी ट्रैफिक को नियंत्रित नहीं कर पाते। अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका की आलोचना करते हुए कहा कि वे प्रचार करने के बजाय फूट डाल रहे हैं। उन्होंने एनडीए सरकार पर नफ़रत फैलाने, नकारात्मक विचार रखने और नागरिकों के एक समूह को बहिष्कृत करने का आरोप लगाया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के चुनावी रणक्षेत्र में प्रवेश किया और भाजपा के रामकृपाल यादव (दानापुर) और एनडीए के श्याम रजक (फुलवारी शरीफ) के समर्थन में रैलियों को संबोधित किया। राजद-कांग्रेस गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने उन पर विकास बनाम बुर्का की विभाजनकारी राजनीति को हवा देकर बिहार के विकास को पटरी से उतारने का आरोप लगाया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी घमापुर श्रीमति प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि देर रात विश्वसनीय मुखबिर द्वारा सूचना मिली की गोपाल होटल आशा चक्की के पास एक व्यक्ति कार्टूनों में भारी मात्रा में शराब लिये ग्राहक का इंतजार कर रहा है, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी जहां एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसने नाम पता पूछने पर अपना नाम सुरेश स्वामी उम्र 45 वर्ष निवासी आशा चक्की के पीछे गोपाल होटल घमापुर बताया जो कब्जे में रखे कार्टूनो एक डिब्बा एवं बोरी में कुल 324 पाव देशी शराब कीमती 28 हजार 700 रूपये की रखी

मंडल रेल प्रबंधक ने जबलपुर स्टेशन में यात्री सुविधाओं का किया निरीक्षण

त्योहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा हेतु दिए आवश्यक निर्देश

जबलपुर। आगामी त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा ने अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आनंद कुमार तथा मंडल के सभी शाखा अधिकारियों के साथ जबलपुर स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया तथा स्टेशन पर पदस्थ स्टाफ से विस्तृत चर्चा कर निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए की गई तैयारियों का गहन जायजा लिया। उन्होंने विशेष रूप से प्रवेश एवं निकास द्वारों, यात्री होल्डिंग एरिया, सीसीटीवी कैमरा व्यवस्था, सुलभ शौचालयों, बैठक व्यवस्था, डिजिटल सूचना बोर्ड, घोषणा प्रणाली (क्क स्4ह्यह्लद्गद्व), पैदल पुल तथा अन्य यात्री सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया।

त्योहारों में बढ़ती भीड़ को

देखते हुए विशेष दिशा-निर्देश

मंडल रेल प्रबंधक ने निरीक्षण के दौरान सभी शाखा अधिकारियों के साथ स्टेशन परिसर में मैदान-स्तरीय बैठक आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने आने वाले त्योहारी दिनों में यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवाजाही के लिए कई दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें से प्रमुख हैं:-

स्टेशन परिसर में भीड़-भाड़ नियंत्रण हेतु उचित बैरिकेडिंग एवं स्पष्ट दिशात्मक संकेतक की उपलब्धता। आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सार्वजनिक शौचालयों की निरंतर सफाई हो। घोषणा प्रणाली के माध्यम से यात्रियों को नियमित सूचना दी जाए ताकि उन्हें अपने प्लेटफॉर्म, कोच स्थिति एवं ट्रेन समय की सही जानकारी मिलती रहे।

यात्री सहायता काउंटर (॥द्गद्यश्च ष्ठद्गह्यद्म) को सक्रिय रखा जाए ताकि किसी भी यात्री को परेशानी का सामना न करना पड़े।

होल्डिंग एरिया में समस्त व्यवस्थाएं (टिकट वितरण सहित) सुचारू रहें।

यात्रियों से संवाद और फीडबैक

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री तलरेजा ने स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया तथा उनसे रेलवे सेवाओं एवं सुविधाओं को लेकर फीडबैक प्राप्त किया।

उन्होंने यात्रियों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मंडल रेल प्रबंधक का वक्तव्य

त्योहारों के समय यात्रियों की संख्या में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होती है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर यात्री को स्टेशन पर सुरक्षित, स्वच्छ और सहज वातावरण मिले। जबलपुर स्टेशन पर सभी मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं, — श्री कमल कुमार तलरेजा, मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर मंडल

रेल प्रशासन सभी यात्रियों से

अपील करता है कि वे—

बिना टिकट यात्रा न करें,

भीड़ वाले क्षेत्रों में धैर्य बनाए रखें,

अपनी सुरक्षा एवं अन्य यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखें,

किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल को दें।

इस निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री आनंद कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा, वरिष्ठ मंडल अभियंता (सम.) श्री जे. पी. सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्बद्ब श्री शशांक गुप्ता, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) श्री राम बदन मिश्रा, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री मुनव्वर खान, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता श्री सर्वेश ठाकुर, स्टेशन निदेशक श्री किशोर कुमार देवारे, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री गुन्नार सिंह एवं रेलवे कर्मचारी उपस्थित थे।

अंत में निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा ने जबलपुर स्टेशन पर यात्रियों को दी जाने वाली अतिरिक्त सुविधाओं की जानकारी दी।

नगरीय क्षेत्रों में सफाई के साथ कराई जा रही धुलाई भी, चकाचक दिखाई दिया कछपुरा ब्रिज

त्यौहार के पूर्व सफाई व्यवस्था हुई और बेहतर कछपुरा ब्रिज को किया गया धूल रहित

जबलपुर। नगर निगम द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के साथ मार्गों और पुल पुलियों और डिवाइडरों को धूल रहित करने धुलाई भी कराई जा रही है। इसी कड़ी में आज संभाग क्रमांक 02 के संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि जोन के साथ अंतर्गत कछपुरा ब्रिज फुटपाथ पर जमी हुई धूल /डस्ट के कारण आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसे जोन की छोटी पावर स्प्रे मशीन से धुलाई कराकर ब्रिज को धूल रहित किया गया।

दोहा गजल
दीवाली

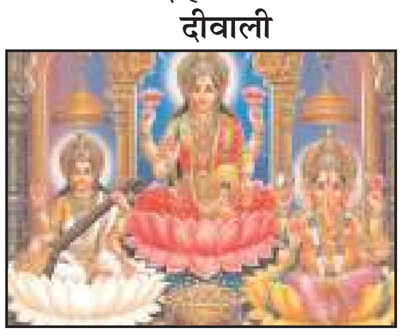

ज्योतिपर्व तुमको नमन, वंदन शत-शत बार।
तेरे कारण स्वच्छ है, गांव गली घर द्वार।।
दीप ज्योति का वास हो, तमस भगाओ आज।
जगमग प्रकाश हो रहा, मना रहे त्यौहार।।
राम अयोध्या आ रहे, स्वागत करते लोग।
दर्शन पाकर राम के, धन्य हुआ संसार।।
लोभ मोह को छोड़ कर, गले मिलो सब आज।
लक्ष्मी पूजा कर रहे, चढ़ा रहे नव हार।।
दीप दान पावन करें , चलो बनारस साथ।
पुण्य लाभ अर्जित करें, पाएँ श्री का प्यार।।
घर घर में दीपक जले, पूजा होती साथ।
सुख समृद्धि वास करे, होती है जयकार।।
अंधकार को दूर कर, चलों जलाएँ दीप।
जीवन में खुशियाँ मिले, कृपा करों दातार।।

शैलेन्द्र पयासी, साहित्यकार
विजयराघवगढ़,कटनी, एमपी

दीपोत्सव - जबलपुर 2025 का भव्य आयोजन आज

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का आह्वान, एक दीप - समृद्धि के नाम जलाने पहुंचे नर्मदा तट गौरीघाट

जबलपुर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लोक निर्माण मंत्री माननीय श्री राकेश सिंह जी के आव्हान पर दीपावली की पूर्व संध्या पर कल रविवार 19 अक्टूबर को शाम 5:30 बजे संस्कारधानी जबलपुर में मां नर्मदा जी के पावन तट ग्वारीघाट में पूरी भव्यता और दिव्यता के साथ दीपोत्सव जबलपुर 2025 आयोजित होने जा रहा है।

विगत चार वर्षों से लगातार आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम में पूज्य संतो का आशीर्वाद मिलेगा, साथ सभी जनप्रतिनिधि एवं शहर के गणमान्यजनों की उपस्थिति होंगी, इस दीपोत्सव में 51 हज़ार दीपों से माँ नर्मदा के सभी तटो का श्रंगार किया जायेगा, इस दिव्य समारोह में माँ नर्मदा जी की महाआरती, भव्य आतिशबाज़ी और आकर्षक लेज़र शो भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने जबलपुर वासियो से आह्वान करते हुये कहा हम सब साथ मिलकर अपने क्षेत्र, शहर, प्रदेश, और राष्ट्र की समृद्धि के लिए एक दीप प्रज्वलित करने अपनी संस्कृति, परंपरा और आस्था का भव्य उत्सव मानने के लिए माँ नर्मदा तट गौरीघाट अपने मित्रो और परिवार के साथ पहुंचे।

दीपोत्सव पर शहर भर में बेहतर होगी सफाई व्यवस्था, निगमायुक्त ने योजना बनाकर कार्य करने दिए स्वास्थ्य अमले को टिप्स

स्वच्छता पर शहर में चलाई जाएगी स्पेशल ड्राइव - निगमायुक्त

जनहित और सुरक्षित आवागमन को ध्यान में रखते हुए लेफ्ट टर्न मुक्त रखने नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने की जाएगी कार्रवाई

सी.एम. हेल्प लाइन के प्रकरणों पर संतुष्टि के साथ हो ठोस कार्रवाई - निगमायुक्त

बाजार और राजस्व वसूली पर 100 प्रतिशत फोकस करने निगमायुक्त के अमले को सख्त निर्देश

सड़कों के सुधार कार्य को भी अभियान के रूप में कराकर रिपोर्ट्स प्रस्तुत करने अधिकारियों को निर्देश

उद्यानों की रखरखाव व्यवस्था को भी मजबूत करने निगमायुक्त ने उद्यान अधिकारी को दिए कड़े निर्देश

जबलपुर। आज दिनांक 18 अक्टूबर को निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने 5 विभागों के कार्यों की समीक्षा की और सभी को प्लानिंग के तहत शहर भर में जनहित को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने स्वास्थ्य, उद्यान, बाजार, राजस्व एवं लोककर्म विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर बारी-बारी से समीक्षा कर जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने सी.एम. हेल्प लाइन के प्रकरणों की भी समीक्षा की और 100 प्रतिशत संतुष्टि के साथ निराकरण कराने के निर्देश दिए ताकि ग्रेडिंग बेहतर हो सके।

निगमायुक्त ने आज दीपोत्सव पर कार्ययोजना के अनुरूप बेहतर सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने त्यौहार पर तुरंत कैसे काम किया जाना चाहिए उस संबंध में टिप्स भी प्रदान किए।

स्वास्थ्य विभाग को अभी त्योहार पर 24 घंटे अलर्ट रहने के लिए भी निर्देशित किया।

निगमायुक्त ने लोककर्म विभाग अंतर्गत कार्यों को भी अभियान चलाकर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों से कहा कि उद्यानों के रखरखाव व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।

बैठक के अंत में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने राजस्व वसूली पर भी फोकस किया और बाजार के साथ राजस्व अमले को वसूली कार्यों में व्यापक गति लाने निर्देशित किया। बैठक में संबंधित विभागों अधिकारी कर्मचारी लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर ने दिये अधिकारियों को निर्देश

आतिशबाजी विक्रय हेतु सुरक्षा निर्देशों का कड़ाई से पालन करायें

जबलपुर- जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टकर राघवेन्द्रा सिंह ने जिले के सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों को दीपावली पर्व के दौरान आतिशबाजी के सुरक्षित विक्रय को लेकर राज्य शासन के गृह विभाग द्वारा जारी दिशा.निर्देशों का सख्तीस से पालन कराने के निर्देश दिये हैं। जिला दंडाधिकारी ने आदेश में सभी पटाखा लायसेंसधारियों को भी लायसेंस की शर्तों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी है।

आदेश में जिला दंडाधिकारी ने आतिशबाजी के स्थायी और अस्थायी दोनों प्रकार के अनुज्ञप्ति प्राप्त दुकानों के बीच विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक सुरक्षा दूरी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। अनुविभागीय दंडाधिकारियों से कहा गया है कि जान.माल की सुरक्षा को देखते हुएए अस्थायी दुकानों के भीतर आतिशबाजी को सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने शेड में ही रखा जाना सुनिश्चित किया जाये। इन दुकानों के अंदर लकड़ी के रेकों और दुकान के आगे कपड़ों के शामियानों या टेंट का उपयोग किसी भी स्थिति में न हो।

आदेश में कहा गया है कि पटाखों की दो अस्थाई दुकानों के बीच 3 मीटर की दूरी तथा किसी भी संरक्षित स्थल से 50 मीटर की दूरी सुनिश्चित की जाये। पटाखा दुकाने एक.दूसरे के आमने.सामने नहीं हों। अनुविभागीय दंडाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने भी कहा गया है कि दुकानों के भीतर प्रकाश व्यवस्था के लिए तेल लेम्पए गैस लेम्प और खुली बिजली की बत्तियों का प्रयोग किसी भी तरह न किया जाये। बिजली की लाइनें पूरी तरह सुरक्षित हों तथा प्रत्येक पंक्ति के लिए मास्टर स्विच लगा हो।

युवा सेवा संगठन, जबलपुर म.प्र. द्वारा दीपावली मिलन एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर- दीपावली के पावन अवसर पर युवा सेवा संगठन, जबलपुर (म.प्र.) द्वारा ग्राम सरसवाही, बीरनार, रंगमंच के पास एक विशेष दीपावली मिलन एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पौधारोपण कर किया गया। इसके पश्चात बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिनमें विजयी बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।साथ में ग्रामीण बुजुर्गों का भी सम्मान शाल,कंबल द्वारा किया गया

संगठन द्वारा क्षेत्र के गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी, पेन, किताबें, पटाखे, फूलझड़ियां, मिठाई, लक्ष्मी-गणेश जी की प्रतिमा सहित पूजन सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष श्री सुमित यादव ने कहा कि 卐दीपावली का असली आनंद तब है जब हम खुशियां किसी जरूरतमंद के साथ बांटते हैं।इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वय श्वेता सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोनपुर,सरोजनी चौकसे थाना प्रभारी खमरिया,रेंजर रोपणी परियट स्वाति यादव,फीनिक्स सीईओ महाप्रबंधक भरत भाई पटेल,म.प्र.जनाभियान परिषद जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया,ब्लॉक समन्वयक भारत महरोलिया,मोहित मालवीय प्रबंधक सेंट्रल बैंक आफ़ इंडिया साखा पिपरिया,डिप्टी रेंजर शरद अग्रवाल,मनोज चक्रेश ग्राम विकास अधिकारी,मोनू खरे पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा,संतोष साहू,मुकेश दुबे,नारायण प्रसाद यादव,रमेश विश्वकर्मा,मेजर तिवारी,गिरजा पाठक,रवि बरकड़े,संजय यादव,संग्राम सिंह राजपूत,मुस्कान ठाकुर,शिव निषाद,संतोष कुशवाहा,शुभम् कुशवाहा,सागर लोधी,नितेश तिवारी,अनिल यादव,संजय सोनी,राकेश यादव,सरपंच कुंवर मरावी,आलोक मिश्रा,युवा सेवा संगठन अध्यक्ष सुमित यादव के साथ ग्रामीण जन प्रतिनिधि संगठन सदस्य उपस्थित रहे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे, ग्रामीणजन एवं संगठन के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए लंच की व्यवस्था की गई थी।

भोपाल -(आरएनएस) उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि आदर्श नागरिक का निर्माण करना ही शिक्षा का ध्येय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने यह महत्वपूर्ण अवसर दिया है कि शिक्षा के माध्यम से देश को विश्व में और प्रदेश को देश में अग्रणी बनाने की ओर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में अग्रणी भूमिका में हैं। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने शुक्रवार को भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी (नूतन) महाविद्यालय में %राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-

सबको आवास देना ही हमारा लक्ष्य-आवास हितग्राहियों के लिये है यह विशेष दीवाली-पीएम आवास योजना में प्रदेश के 49 लाख परिवारों को मिला अपना घर

खुद के घर की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अपना घर हर किसी का सपना होता है। अपने घर की खुशी से बढ़कर और कुछ नहीं होता। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 4 करोड़ से अधिक लोगों को उनका मकान बनाकर दिया है। प्रधानमंत्री का खुद का कोई घर नहीं है, लेकिन देश के सभी नागरिकों को मकान देना उन्होंने अपना लक्ष्य तय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नीमच के 348 परिवार अपने सालों पुराने सपने को हकीकत में बदलते देख रहे हैं। यह दिवाली उनके जीवन की सबसे सुंदर दीपावली बनकर आई है, क्योंकि इस बार सभी अपने घर में में दिवाली मनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से नगर पालिका नीमच द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत अफोर्डेबल हाऊसिंग प्रोजेक्ट के तहत निर्मित आवासों की सुंदर कॉलोनी का वर्चुअल लोकार्पण कर हितग्राहियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 348 परिवारों को गृह प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नए घर के लाभार्थियों से संवाद कर सभी को धनतेरस के दिन मिले नये आवास और पंच दिवसीय दीपोत्सव की मंगलकामनाएं भी दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी कहते हैं कि जब गरीब का घर रोशन होता है, तभी देश में सच्ची दीपावली होती है। आज मध्यप्रदेश इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। लक्ष्मी-गणेश की कृपा से मध्यप्रदेश जन-कल्याण और विकास की दीपावली मना रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी नीयत साफ है, हमारी नीतियां गरीबों को सशक्त करने की हैं एक दौर वो भी था जब गरीबों के नाम पर योजनाएं तो बनती थीं, लेकिन उनका लाभ कई पुश्तों के बाद भी गरीब को नहीं मिल पाता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हितग्राहियों को छत ही नहीं, स्वाभिमान और सुरक्षा दोनों मिली है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 योजना के तहत हम 10 लाख आवास बनाएंगे। हम इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पीएम आवास योजना (शहरी) के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश को बेस्ट परफार्मिंग स्टेट अवॉर्ड की श्रेणी में दूसरा स्थान मिला है। नीमच तो हमेशा से ही इस मामले में अव्वल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज ही नीमच जिले में 134 करोड़ की लागत से पीएम आवास के 348 घरों की चाबियां सौंपी जा रही हैं। जिसमें 144 मकान श्वङ्खरु के, 144 मकान स्ब्हुत और 60 मकान स्ब्हुत के शामिल हैं। साथ ही 33 कमर्शियल प्लॉट भी हैं। आज जो मल्टी स्टोरी आवास प्रदान किए जा रहे हैं, यह सिर्फ मकान नहीं, बल्कि एक पूरा परिसर विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यहां चमचमाती सड़कें, व्यवस्थित नालियां, ओवरहेड टैंक और सीवरेज पंपिंग स्टेशन की व्यवस्था की गई है। स्ट्रीट लाइट, सुरक्षा के लिए गेट और बाउंड्री वॉल बनाई गई हैं। बच्चों के खेलने के लिए पार्क की स्थापना की गई है। कैंपस में हेल्थ केयर सेंटर (प्राथमिक उपचार केन्द्र), बस स्टॉप, फायर सुविधा भी है। यहां स्कूल बनाने के लिए भूमि भी आरक्षित की गई है। यानी हर ज़रूरत का पूरा ध्यान रखा गया है। यह समेकित परियोजना एक सच्चे मायनों में सम्मानजनक जीवन और बेहतर भविष्य की नींव रखती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रदेश में हर गरीब के पास पक्का मकान हो। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से शहरी गरीबों को पक्के घर देने की दिशा में मिशन मोड पर काम जारी है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पीएम आवास योजना के तहत अब तक 49 लाख से अधिक परिवारों का अपने घर का सपना पूरा हुआ है। 40 लाख से अधिक ग्रामीण और 8 लाख से अधिक शहरी परिवारों को अपनी छत मिली है। हमारे गांव और शहर दोनों एक साथ मुस्कुरा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीमच में बहुत जल्द मेडिकल कॉलेज बनेगा और हवाई सेवाओं से भी जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि नीमच की भादवा माता मध्यप्रदेश की वैष्णो देवी हैं। भादवा माता मंदिर के विकास के लिए भी सभी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी बहनें हमारा मान हैं। बहनों के खाते में लाड़ली बहना योजना की राशि पहुंच गई है, भाईदूज से 250 रुपए अलग से दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भाइयों को भी हमने भावांतर योजना का उपहार दिया है। अब हमारी सरकार कोदो-कुटकी का उपार्जन भी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश दीयों की दिवाली भी मना रहा है और दिलों की दिवाली भी मना रहा है। आज दोहरी खुशी का मौका है, त्यौहार की खुशी के साथ-साथ अपने घर का सपना साकार हुआ है। मुख्यमंत्री ने नव गृह प्रवेश करने वाले सभी हितग्राहियों की सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

कार्यक्रम को नीमच विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार ने भी संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आज नगर पालिका क्षेत्र नीमच में 348 घरों की पीएम आवास कॉलोनी सहित नीमच विधानसभा क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों को स्वच्छता रथ भी दिए गए हैं।

इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने वर्चुअली सहभागिता की। नीमच में हुए कार्यक्रम में मंदसौर-नीमच सांसद श्री सुधीर गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री ओम प्रकाश सखलेचा, विधायक श्री माधव मारू, जिलाध्यक्ष श्रीमती खंडेलवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में मप्र का देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मध्यप्रदेश को किया सम्मानित

भोपाल- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज नईदिल्ली के विज्ञान भवन में आदि कर्मयोगी अभियान पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश को सम्मानित किया। प्रदेश के प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा ने म.प्र. के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने जनजातीय समुदाय के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों पर प्रस्तुति दी। मध्यप्रदेश को आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन में देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम पांच राज्यों में स्थान मिला है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान जनजाति समुदायों के सामाजिक आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रारंभ किया गया। इसका उद्देश्य जनजाति क्षेत्र में ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना, योजनाओं का प्रभावी अमल सुनिश्चित करना और शासन को और ज्यादा जवाबदेह बनाना है। यह अभियान सेवा, संकल्प और समर्पण जैसे मूल्यों पर आधारित है जो जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रमुख सचिव जनजाति कार्य श्री गुलशन बामरा ने मध्य प्रदेश में जनजातीय विकास की स्थिति की पर जानकारी देते हुए कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान में 1 लाख 41 हजार आदि सहयोगी काम कर रहे हैं।

इसके साथ एक लाख 92 हजार आदि साथी और 1210 अशासकीय संगठन जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसका लक्ष्य तीन लाख चेंज लीडर्स तैयार करना है जो निचले स्तर पर जनजातीय विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन में मदद कर रहे हैं। जनजातीय बंधुओं की मदद के लिए 13,000 आदि सेवा केंद्र बनाए गए हैं।

जनजाति क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शाला छोड़ने वाले बच्चों पर निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान में माता शबरी आवासीय बालिका शिक्षा कंपलेक्स, हॉस्टल, आदर्श आवासीय स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, आश्रम स्कूल, खेल परिसर मिलाकर 2,913 संस्थाएं संचालित है जिनमें 2 लाख 30 हजार विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है। विद्यार्थियों के कौशल विकास पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए।

मलेरिया, टीबी, एनीमिया की रोकथाम के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इस साल जून से लेकर सितंबर तक सिर्फ तीन माह में 81000 से ज्यादा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। मातृत्व सुरक्षा के लिए भी विशेष पहल की गई। इसके अलावा नौ हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र में टेलीमेडिसिन सेवाओं का संचालन किया गया। स्व-सहायता समूहों का गठन कर उन्हें रोजगार निर्माण एवं आजीविका की गतिविधियों से जोड़ा गया है। उन्हें आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के लिए साख सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

चिकित्सक समय का पालन और मरीजों से करें संवेदनशील व्यवहार : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल - उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय सीधी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं अस्पताल की व्यवस्थाओं का मुआयना किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से संवाद कर उपचार सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि समाज में चिकित्सकों को भगवान का दर्जा प्राप्त है, इसलिए मरीजों के प्रति उनका व्यवहार भी संवेदनशीलता एवं सेवा भाव से परिपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी डॉक्टर एवं स्टाफ समय का पालन करते हुए मरीजों को समर्पित भाव से उपचार प्रदान करें। इमरजेंसी कक्ष में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की सतत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीधी जिला चिकित्सालय में 100 बिस्तरीय एमसीएच विंग प्रारंभ होने से अस्पताल की क्षमता 300 से बढ़कर 400 बिस्तरों तक हो गई है, जिसके लिए पर्याप्त मानव संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि 16 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है, वहीं आईपीएचएल लैब का निर्माण फरवरी 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है, जिससे जिलेवासियों को 136 प्रकार की जांचों की सुविधा एक ही स्थान पर प्राप्त होगी। उन्होंने जिले में आउटसोर्स भर्ती प्रक्रिया की जटिलताओं को दूर कर इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए कहा कि समय पर पंजीयन एवं नियमित जांचें अनिवार्य रूप से की जाएं

खेल हमें जीवन को अनुशासित होकर जीने की प्रेरणा देता है - मंत्री सिंह

भोपाल -स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि खेल हमें अपने जीवन को अनुशासित होकर जीने की प्रेरणा देता है। अनुशासित व्यक्ति ही आगे बढ़कर देश सेवा का काम करता है। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल बच्चों से कहा कि खेल के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएँ हैं। यहाँ पर भी कॅरियर बनाया जा सकता है। मंत्री श्री सिंह शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में 69वीं राज्य स्तरीय शालेय व्हॉलीबॉल क्रीड़ा प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। समापन समारोह में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि विद्यार्थी अपने मन को एकाग्र कर लक्ष्य पर केन्द्रित करें, तो सफलता जरूर मिलती है। उन्होंने बच्चों से प्रतियोगिता में खेल भावना के साथ शामिल होने की अपील की।

मंत्री टेटवाल ने स्थानीय कुम्हारों द्वारा बनाए गए दियों को खरीद कर वोकल फॉर लोकल का दिया संदेश

हर घर जले स्वदेशी दीप-मंत्री टेटवाल

भोपाल -कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने राजगढ़ जिले के सारंगपुर में दीपावली के लिए स्थानीय बाजार से कुम्हारों द्वारा बनाए गए स्वदेशी दीयों और सजावटी सामग्री की खरीदारी की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे दीपावली पर अपने घर में स्वदेशी दीप जलाएं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि वोकल फॉर लोकल अभियान आत्मनिर्भर भारत की दिशा में जन-आंदोलन का रूप ले चुका है और यह हर भारतीय को प्रेरित करता है कि वह स्वदेशी वस्तुओं को अपनाए और स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाए।मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि दीपावली हमारे खुशियों का पर्व है और इस अवसर पर स्थानीय व्यापारियों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय दुकानदार सिर्फ व्यवसायी नहीं, बल्कि समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। वे हर त्यौहार, हर संकट और हर खुशी में हमारे साथ खड़े रहते हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि उनकी दीपावली को प्रकाशोत्सव में बदलें और हर घर में स्वदेशी की पहचान कायम करें।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिससे स्थानीय कारीगर और व्यापारी मजबूती से अपनी कला और व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। सारंगपुर जैसे नगरों में यह पहल वोकल फॉर लोकल के संदेश को और प्रभावी बनाएगी। हर घर को आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करने के लिए आगे बढ़ने की भावना को मजबूत करेगी।उन्होंने कहा कि स्वदेशी दीयों, सजावटी सामग्री और उपहारों की खरीदी से न केवल स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगा। उन्होंने सभी से अपील की कि हर घर में स्वदेशी दीप जलाकर आत्मनिर्भर भारत की भावना को जीवंत करें और दीपावली के पर्व को खुशियों और समृद्धि से सजाएं। व्यापारियों ने मंत्री श्री टेटवाल के इस कदम का स्वागत किया।

'जीरो पेंडेंसी माह' में दावा निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य पर मध्यप्रदेश को बड़े राज्यों की श्रेणी में मिला प्रथम पुरस्कार

भोपाल- राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा 15 और 16 अक्टूबर को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और भविष्य की रणनीति निर्धारित करने पर विमर्श किया गया। इस अवसर पर एनएचए के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्णवाल, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, एबीडीएम मिशन निदेशक श्री किरण गोपाल वास्का, संयुक्त सचिव (पीएम-जेएवाई) सुश्री ज्योति यादव, तथा विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

बैठक में एनएचए की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 और राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की बेस्ट प्रैक्टिसेज बुकलेट जारी की गई। इस रिपोर्ट में पीएम-जेएवाई और एबीडीएम के अंतर्गत हुई उपलब्धियों, नवाचारों और डिजिटलीकरण के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं में आए सकारात्मक परिवर्तन को दर्शाया गया।

एनएचए के सीईओ डॉ. बर्णवाल ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य एकीकरण भारत के स्वास्थ्य ढांचे को नई दिशा दे रहा है। आयुष्मान भारत अब तक 45 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर चुका है। पीएम-जेएवाई 2.0 और एबीडीएम 2.0 के माध्यम से राज्यों की सहभागिता इस अभियान को नई गति देगी।बैठक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों को सम्मानित किया गया। 'जीरो पेंडेंसी माह' के दौरान दावा निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मध्यप्रदेश को बड़े राज्यों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस श्रेणी में छत्तीसगढ़ को दूसरा और उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि राज्यों को स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी, मध्यप्रदेश के सीईओ डॉ. योगेश भरसट ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए राज्य की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश ने न केवल दावा निस्तारण में गति प्राप्त की है, बल्कि डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के सफल एकीकरण में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने एम्स भोपाल का दौरा कर वहां मरीजों की पूर्ण डिजिटल यात्रा — ऑनलाइन पंजीकरण, ई-प्रिस्क्रिप्शन, डिजिटल भुगतान आदि प्रक्रियाओं — का अनुभव किया।

भोपाल बाईपास सड़क धंसना: भ्रष्टाचार और लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण: जीतू पटवारी

भोपाल (आरएनएस)।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज कल सड़कें न केवल गड्ढों से भरी पड़ी हैं, बल्कि वे जानलेवा जाल बन चुकी हैं। कल (भोपाल-इंदौर बाईपास (बिलखिरिया/सूखी सेवनिया) पर हुई भयावह घटना इसका सबसे ताजा उदाहरण है, जहां 305 करोड़ रुपये की लागत से बनी मुख्य सड़क का लगभग 100 मीटर लंबा हिस्सा धंसकर 20 से 30 फीट गहरा खतरनाक गड्ढा बन गया। सौभाग्य से कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन यह चमत्कार नहीं, बल्कि संयोग मात्र था। इसी तरह, जुलाई 2025 में एमपी नगर की व्यस्ततम मुख्य सड़क पर 6 से 10 फीट गहरा गड्ढा बनने की घटना ने भी शहर को हिलाकर रख दिया था। ये दोनों घटनाएं राजधानी के प्रमुख मार्गों पर महज कुछ महीनों के अंतराल पर हुई हैं, और ये सड़कें मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) या राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के दायरे में आती हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई? क्या यह भ्रष्टाचार नहीं?

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार से सीधा सवाल पूछता हुए कहा क्या आपकी सरकार सड़कों को बनाने के नाम पर जनता की जान जोखिम में डाल रही है? 12 वर्ष पुरानी इस सड़क पर 650 करोड़ रुपये टोल वसूले जा चुके हैं, लेकिन मरम्मत के नाम पर एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ। सड़क के नीचे पानी भरने की समस्या वर्षों से ज्ञात थी—ग्रामीणों ने असंख्य शिकायतें कीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं। 2013 में बनी सड़क का मेंटेनेंस अनुबंध 2020 में रद्द हो गया, उसके बाद भी निगरानी का नामोनिशान नहीं। एमपीआरडीसी सालाना मरम्मत का दावा करती है, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं। यह सब कुछ 50त्न कमीशन वाली सरकार की नाकामी और भ्रष्ट सिस्टम का प्रतीक है!

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का हालिया बयान— जब तक सड़कें हैं, गड्ढे रहेंग —किसी मंत्री का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की हार का ऐलान है। क्या यही है आपकी 'विकसित मध्य प्रदेश' की परिभाषा? जब सड़कें ही धंस रही हैं, तो विकास का दावा कैसे करें? भोपाल में पिछले आठ महीनों में सड़क हादसों में 162 लोग मारे गए और 1473 घायल हुए। मिसरोद थाना इलाके में ही 114 हादसों में 21 मौतें हुईं। पुलिस ट्रेनिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (पीटीआरआई) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में 13,798 और 2024 में 14,791 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई—यह संख्या 2025 में सितंबर तक और बढ़ चुकी है। खराब सड़कें, गड्ढे और घटिया निर्माण इन मौतों का प्रमुख कारण हैं। भाजपा सरकार की लापरवाही ने मध्य प्रदेश को देश का दूसरा सबसे असुरक्षित राज्य बना दिया है, जहां हर साल सड़क हादसों में मौतें बढ़ रही हैं।

कांग्रेस पार्टी इन घटनाओं को हल्के में नहीं लेगी। हम मांग करते हैं-एमपी नगर (जुलाई 2025) और बिलखिरिया (अक्टूबर 2025) की दोनों घटनाओं की उच्च-स्तरीय न्यायिक या सीबीआई जांच

गुणवत्ता, भ्रष्टाचार और जिम्मेदारी तय करने के लिए तत्काल जांच समिति गठित हो, जिसमें स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल हों।

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह का इस्तीफा: उनकी लापरवाही और असंवेदनशील बयानों के लिए जवाबदेही तय हो।

तत्काल मरम्मत: प्रभावित सड़कों की मरम्मत 15 दिनों में पूरी की जाए।

राज्यव्यापी सड़क सुरक्षा अभियान: गड्ढा-मुक्त सड़कों के लिए विशेष फंड और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित हो।

कांग्रेस पार्टी इस मांग को लेकर सरकार पर भाजपा सरकार अगर नहीं चेती, तो कांग्रेस जनता के साथ सड़कों पर उतरेगी!जनता जागे, तो सरकार सुनेगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

चाहिए सतर्क दृष्टि

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ वॉर में भारत के प्रति कोई नरमी नहीं बरती है। क्या वार्ता के अगले चरण में वह ऐसा करेगा? या भारत अपनी 'लक्ष्मण रेखाओं' एवं विदेश नीति संबंधी संप्रभुता पर समझौता करने पर राजी हो जाएगा? अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर के लिए भारतीय दल वॉशिंगटन पहुंच रहा है, तो उसके सामने वही सवाल और चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से पिछले पांच दौर की वार्ताओँ में बात आगे नहीं बढ़ी। सवाल है कि क्या भारत व्यापार के साथ-साथ भू-राजनीति संबंधी उन अमेरिकी मांगों पर राजी होगा, जिन्हें डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन टैरिफ वॉर के जरिए पूरा कराना चाहता है? ट्रंप ने यह जताने में कोई कोताही नहीं बरती है कि आयात शुल्क को वे ऐसा हथियार मानते हैं, जिसके उपयोग से वे अपने सारे मकसद साध सकते हैं। भारत खुद उनके इस नजरिए का शिकार बना है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के दंड के तौर पर उन्होंने भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया हुआ है।

इस तरह ट्रंप ने भारतीय विदेश नीति को अमेरिकी हितों के मुताबिक ढालने का दबाव बना रखा है। व्यापार संबंध में उनका प्रशासन भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं' (कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए ना खोलने के निर्णय) को बिल्कुल तव्वजो देने के मूड में नहीं है। एक बड़ी समस्या ट्रंप का अस्थिर स्वभाव भी है। चीन के मामले में जाहिर हुआ कि जो सहमतियां बनीं, उनके खिलाफ जाते हुए ट्रंप प्रशासन ने कुछ ऐसे कदम उठाए, जिससे बात फिर जहां की तहां पहुंच गई। तब चीन ने रेयर अर्थ सामग्रियों के निर्यात को नियंत्रित करने का एलान किया, जिसके परिणामों को समझते हुए अब फिर ट्रंप प्रशासन ने रुख नरम किया है।

मोदी का हनुमान क्षण : बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

हरदीप एस. पुरी

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे-जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है।

हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच-1बी वीज़ा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फ़ीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100त्न शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोज़गार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मज़बूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता- पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)।

दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेज़ी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज़्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो-तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के ज़रिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16त्न से ज़्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है।

हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8त्न किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं- मज़बूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज़्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है।

यह सकारात्मक रुझान बाज़ारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीज़न में खुदरा और ई-कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15त्न ज़्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज़्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है।

भारत की आर्थिक नींव अब मज़बूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है।

ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं- एक ऐसे देश की, जो कभी नाज़ुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है।

संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर माओवाद का समापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गृहमंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बने माओवाद को मार्च 2026 तक समाप्त करने का जो संकल्प लिया है वह अब सिद्धि की ओर अग्रसर है। देश का एक बहुत बड़ा भू भाग जो विकास की मुख्यधारा से अलग था अब शेष भारत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तत्पर है। माओवाद का अंत गृहंमत्री अमित शाह के संकल्प व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मन्त्र से ही संभव हो सका है।

आज छत्तीसगढ़ के नक्सवलादी आतंकवाद के लिए कुख्यात बस्तर में तिरंगा फहरा रहा है और नक्सलवादियों के गढ़ में गृहमंत्री अमित शाह की जनसभाएं हो रही हैं। गृहमंत्री नक्सलवादियों को स्पष्ट संदेश देते हैं कि, माओवादियों आपके पास अब दो ही विकल्प बचे हैं या तो समर्पण कर दें या फिर एनकाउंटर के लिए तैयार रहें। इस सख्ती का ही असर है कि 17 अक्टूबर 2025 को छत्तीसगढ़ में एक साथ 210 माओवादियों ने समर्पण किया है। उधर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष छह करोड़ रुपए के इनामी माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लेज़ुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू उर्फ अभय ने 60 साथियों सहित बंदूक छोड़कर विकास कि राह थाम ली है। इन माओवादियों ने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है जिनमें सात एके 47 और नौ इंसास राइफलें है। भूपति माओवादी संगठन में सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में माना जाता था और उसने लंबे समय तक महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर अभियानों का नेतृत्व किया। भूपति वही खतरनाक माओवादी आतंकवादी है जिसने छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ के 76 जवानों का नरसंहार किया था। महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला दशकों से माओवादी गतिविधियों का केंद्र रहा है। इस क्षेत्र के शीर्ष माओवादी का समर्पण शेष बचे हुए नक्सलियों खासकर निचले स्तर के कैडर को सीधा संदेश दे रहा है कि अब जब उनका सबसे बड़ा और अनुभवी नेता हथियर डाल रहा है तो उनके पास भागने या छिपने का कोई रास्ता नहीं बचा है।

महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर के बाद बिहार- राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया।

2024 के लोकसभा चुनाव में सहयोगी दलों की मदद से कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ने के लिए राहुल गांधी ने उस यूपीए के नाम को भी त्याग दिया जिसके बैनर तले कांग्रेस ने वर्ष 2004 से 2014 तक देश में राज किया था। लोकसभा चुनाव से पहले यूपीए की जगह पर राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक नया मोर्चा बनाया जिसे इंडिया गठबंधन का नाम दिया गया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया। लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने-सामने आ गए है। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों- बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस

पांच नहीं छह दिनों का होगा दीपावली महापर्व

पांच दिनों का दीपावली महापर्व इस वर्ष छह दिनों का होगा। हिंदू धर्म में दीपावली का त्योहार बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक अमावस्या तिथि पर भगवान श्री राम 14 वर्षों का वनवास काटकर और लंका पर विजय करने के बाद अयोध्या लौटे थे। जिसकी खुशी में सारे अयोध्यावासी इस दिन पूरे नगर को अपने राजा प्रभु राम के स्वागत में दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसी कारण से तब से ये परंपरा चली आ रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पांच दिनों का दीपावली महापर्व इस वर्ष छह दिनों का होगा। इस बार दीपावली महापर्व की शुरुआत 18 अक्टूबर को धनतेरस से होगी। 19 अक्टूबर को हनुमान जयंती, छोटी दीपावली या रूप चौदस, 20 अक्टूबर को दीपावली, 21 अक्टूबर को स्नान पूजा और दान अमावस्या, 22 अक्टूबर को अन्नकूट व गोवर्धन पूजा और 23 अक्टूबर को भैयादूज के साथ ही इस महापर्व का सामापन हो जाएगा। पहला पर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनाध्यक्ष कुबेर के पूजन से शुरू होकर मृत्यु के देवता यमराज के लिए दीपदान तक चलेगा। दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा का विशेष महत्व भी होता है। इस दिन शाम और रात के समय शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और माता सरस्वती की पूजा की जाती है।

यूपी की राज्यपाल महिलाओं—बच्चों की बदहाली पर चुप क्यों?

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। पटेल का कहना है कि दूर रहें, वरना आप 50 टुकड़ों में मिलेंगी। यह टिप्पणी उनके पिछले दावे के ठीक अगले दिन आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप का असर देखने के लिए किसी अनाथालय में जाना चाहिए, जहाँ 15 साल की लड़कियाँ अपने बच्चों के साथ कतार में खड़ी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे।

राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं। उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है।

जय-विजय का पतन और भगवान के अवतार का रहस्य

भगवान शंकर, पार्वती जी के समक्ष श्रीहरि के दिव्य चरित्र का वर्णन करते हुए, किसी भी रहस्य को छिपाना नहीं चाहते थे। वे चाहते थे कि माता पार्वती को हर तथ्य, हर प्रसंग का पूर्ण बोध हो। विगत अंक में भोलेनाथ जय और विजय की अभद्रता का वर्णन कर रहे थे-कि किस प्रकार अहंकार रूपी अंधकार ने उनके विवेक को ढक लिया। वे यह भी न जान सके कि जो साधु संत उनके द्वार पर आए हैं, उनके श्रीचरण तो स्वयं बैकुण्ठ के द्वार हैं। साधुजनों के चरणों की धूल से ही संसार के पाप नष्ट हो जाते हैं, परंतु उन्होंने उनके साथ दुष्टता का व्यवहार किया। अर्थात जो आनंद संतों की संगति और सेवा में है, वह तो बैकुण्ठ के सुख से भी बढ़कर है। परंतु जय और विजय इस सत्य को समझ न सके। उन्हें भ्रम हुआ कि सनकादि मुनि बैकुण्ठ के दर्शन के लिए तृषित हैं, जबकि वस्तुत: वे तो स्वयं में ही ब्रह्मस्वरूप हैं। जब मुनियों ने देखा कि द्वारपाल अपने अहंकार में अंधे हो चुके हैं,

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति

श्रुति व्यास

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती है—प्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्ध—शांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है।

पश्चिम एशिया में जो शांति आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी-संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज़्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई है—अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल-मिलाप नहीं, प्रबंध-जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई।

इस पल को समझने का एक ही तरीका है—यथार्थवाद (ऋद्गड्डद्यद्बह्यद्व) के सिद्धांत से, वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैं—युद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है।

शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती है; जहाँ कोई पक्ष इतना ताक़तवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल-मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहीं—नकारात्मक शांति, यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की शांति भी यही थी—अमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहीं; दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण था—जो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो ह्लद्गद्यद्ग और द्ध्रुद्व के लिए बनाई गई।

पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी नई सुबह लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया था—अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज़ पर मिस्र और इज़राइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौते—व्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्ज़ाक राबिन और यासिर अराफ़ात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफ़ादा में बदल गया, और दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है।

हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता है—उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की नई शांति भी इतिहास बनेगी नहीं—बस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है।

और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर है—सिर्फ़ एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान है—नोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इज़राइल का युद्ध बहुत लंबा चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर था—संधि मानो, नहीं तो सामना करो ष्ड्डह्लड्डह्यह्लह्म्श्चद्धद्ग ष्ड्डह्लड्डह्यह्लह्म्श्चद्धद्ग का। यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इज़राइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब ग़ाज़ा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे। टाइमिंग इतनी सटीक थी कि स्वाभाविक नहीं लगती। कनेस्सेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनका स्वागत किया, और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ तथा दामाद जैरेड कुशनर के लिए तालियाँ गूँज उठीं। दर्शक भी तयशुदा भूमिका में थे, लाल टोपी पहने, जिन पर लिखा था- ञ्जह्लद्बह्य ह्लद्ग क्कद्गड्डष्द्ग क्कह्लद्दह्यद्बस्रद्गठ्ठह्ल. स्पीकर ने घोषणा की, अगले साल के नोबेल के सबसे योग्य उम्मीदवार।

और संसद बहस में नहीं, भक्ति में बदल गई। सांसदों ने एक स्वर में नाम पुकारा—ट्रंप, ट्रंप, ट्रंप। अपने भाषण में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह नया मध्य पूर्व है—एक ऐतिहासिक सवेरा। वही वाक्य, वही लहजा, जो उन्होंने पहली बार अब्राहम समझौतों के दौरान कहा था।

यह किसी युद्ध का अंत नहीं, बल्कि उसके कथाकार का राज्याभिषेक था—इतिहास को लाइव रियलिटी शो में बदलता हुआ क्षण।

इज़राइल में तालियों की बौछार के बाद ट्रंप मिस्र पहुँचे—शर्म अल-शेख में आयोजित पीस इन द मिडिल ईस्ट शिखर सम्मेलन में केंद्र मंच पर।

वही पुराना रिसॉर्ट, जहाँ कूटनीति अक्सर नाटक जैसी लगती है। पीछे चमकता नारा—क्कद्गड्डष्द्ग द्बठ्ठ ह्लद्धद्ग रूद्बस्रस्रद्यद्ग श्वड्डह्यह्ल—एक चुनावी पोस्टर की तरह। हाथ मिलाना, हस्ताक्षर करना, फोटो खिंचवाना—सब था, सिवाय ईमानदारी के। ट्रंप ने भाषण दिया—स्वयं की प्रशंसा से भरा, नीति से खाली। यह शांति का प्रदर्शन था, ऊपरी चमक में सुंदर, गहराई में शून्य। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने भी अपनी भूमिका निभाई—ट्रंप को शांति का व्यक्ति बताया, दूरदर्शी नेतृत्व का गुणगान किया, यहाँ तक कि पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल के लिए नामित करने का दावा किया। यह प्रशंसा नहीं, प्रहसन था, कूटनीति तालियों में सिमट गई थी। और जब कन्फ़ेटी हवा में उड़ी और शैंपेन की खनक गूँजी, तो पीछे बस तमाशा बचा—न कोई रोडमैप, न स्पष्टता, न वह व्यावहारिकता जो भाषण को ज़मीन पर उतारती है।

ट्रंप को फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने तुरंत अगला अंक लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि अब वे नेतन्याहू सरकार को अपनी शांति बिगाड़ने नहीं देंगे। कनेस्सेट में उन्होंने नेतन्याहू की खुलकर तारीफ़ की, यहाँ तक कि इज़राइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग से मज़ाक में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार मामलों से माफ़ कर देना चाहिए।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन करियर में परिवर्तन लाने वाला साबित हो सकता है। विद्यार्थियों को किसी बड़ी उपलब्धि का संकेत मिलेगा और उन्हें भविष्य के लिए नई दिशा मिलेगी।

वृषभ- वृषभ राशि वालों को आज सेहत के क्षेत्र में राहत मिलेगी। पुरानी थकान और कमजोरी दूर होगी। आपकी दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, जिससे आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मिथुन- मिथुन राशि के लोगों को आज पारिवारिक रिश्तों में मजबूती मिलेगी। माता-पिता के साथ भावनात्मक संबंध बेहतर होंगे और जीवनसाथी से भी सहयोग प्राप्त होगा। हालांकि थोड़ी चिड़चिड़ाहट या ग़लतफहमी की स्थिति बन सकती है,

कर्क- कर्क राशि के जातकों के लिए आज का दिन नई प्रेरणा और उपलब्धियों से भरा रहेगा। आप उत्साहित महसूस करेंगे और किसी बड़े प्रोजेक्ट को लेकर सकारात्मक कदम उठाएंगे। मीडिया या कंसल्टेंसी से जुड़े जातकों के लिए दिन काफी फलदायक रहेगा।

सिंह-सिंह राशि वालों के लिए आज घर में उल्लास और सक्रियता का वातावरण रहेगा। नजदीकी रिश्तेदारों के आगमन से पारिवारिक मेल-मिलाप बढ़ेगा। बच्चों के साथ समय बिताना सुखद अनुभव देगा और रिश्तों में नई ऊर्जा भर देगा।

कन्या- कन्या राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिश्रित रहेगा। किसी पारिवारिक समस्या का समाधान संभव है, जिससे मन का तनाव कम होगा। कामकाज में गंभीरता और अनुशासन आवश्यक रहेगा।

तुला- तुला राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है लेकिन दोपहर बाद परिस्थितियां आपके पक्ष में आ जाएंगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की सराहना होगी

वृश्चिक- वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन लाभदायक सिद्ध होगा। आप अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग कर पाएंगे। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और किसी धार्मिक स्थल पर जाने की संभावना भी बन सकती है।

धनु-धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन उन्नति देने वाला रहेगा। नौकरी या व्यापार में प्रमोशन या विस्तार का योग है। आप नई उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे और अपनी पहचान मजबूत बनाएंगे।

मकर -मकर राशि वालों के लिए आज का दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और किसी रुके हुए प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। वरिष्ठों की सलाह से बड़ा निर्णय ले सकते हैं।

कुंभ-कुंभ राशि वालों के लिए आज राहत और शुभ समाचार का दिन है। किसी लंबे समय से रुके हुए कार्य की शुरुआत हो सकती है। विदेश से संबंधित कोई अच्छी खबर मिलेगी या यात्रा की योजना बनेगी।

मीन- मीन राशि के लिए आज का दिन संतुलित और सामंजस्यपूर्ण रहेगा। आप दिनचर्या को व्यवस्थित रूप से अपनाएंगे और कार्यों में पूरी

मुख्यमंत्री ने दावा किया, 2014 से पहले देश में और 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ ईद मिलन जैसे आयोजन ही होते थे और सनातन धर्म के पर्वों पर ऐसे समारोह दुर्लभ थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दावा किया कि 2014 से पहले देश में और 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ ईद मिलन जैसे आयोजन ही होते थे और सनातन धर्म के पर्वों पर ऐसे समारोह दुर्लभ थे। उन्होंने कहा कि अब होली और दिवाली के मिलन समारोह सामाजिक एकता की नींव बन रहे हैं।

दिल्ली में 80 दिन तक वैश्विक स्तर के संगीत व सांस्कृतिक समारोह आयोजित होंगे : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली अब केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि भारत की 'क्रिएटिव कैपिटल' बनने की राह में तेजी से आगे बढ़ रही है। राजधानी में आने वाले 80 दिनों में 30 से अधिक बड़े और यादगार भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे, जो पहले कभी नहीं हुए। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली को 'इवेंट-फ्रेंडली सिटी' बनाने के लिए ही बड़े स्टेडियमों व सभागारों के किराए में प्रभावी कमी गई है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपग्रेड किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे आयोजनों को सरलता से कराने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से इवेंट परमिशन, लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा प्रक्रिया आसान बनाई जा रही है, ताकि दिल्ली की लाइव एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को बेहतर बढ़ावा मिले। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि दिल्ली सरकार 'विरासत भी-विकास भी' मंत्र के साथ सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

नामी कलाकार देंगे अपनी प्रस्तुति

दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने यह जानकारी दी। इसमें दिल्ली सरकार के पर्यटन तथा कला, संस्कृति मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने भी अपने विचार साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 80 दिनों में देश की राजधानी में सांस्कृतिक व संगीत की लहर चलेगी, जब देश और विदेश के बड़े कलाकार राजधानी में अपनी प्रस्तुति देंगे। इनमें ट्रैविस स्कॉट, कृष्ण दास, जाकिर खान, पैपोन, एपी ढिल्लों, अरमान मलिक, जोनिता गांधी, राधिका दास सहित अनेक सितारे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल दिल्ली सरकार, इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट एसोसिएशन (फेमा) और पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के संयुक्त सहयोग से की जा रही है, ताकि इन कार्यक्रमों का स्तर भी बरकरार रहे, किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या अन्य परेशानी न हो और वहां आने वाले दर्शक पूरा आनंद ले सकें। मुख्यमंत्री का कहना था कि राज्यों के लिए कॉन्सर्ट इकोनॉमी एक महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्र है, जिस पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया जी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके निरंतर सहयोग से दिल्ली सरकार इस दिशा में अहम कदम उठा पा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक समय था जब दिल्ली में बड़े-बड़े कॉन्सर्ट्स और कार्यक्रमों का आयोजन करने से आयोजक हिचकिचाते थे, क्योंकि उन्हें आवश्यक सुविधाएं और संस्थागत सहयोग नहीं मिल पाता था। इस चुनौती को समझते हुए सरकार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि केंद्र और दिल्ली सरकार के अधीन सभी प्रमुख स्टेडियम जैसे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम, नेशनल स्टेडियम, त्यागराज स्टेडियम और छत्रसाल स्टेडियम के टैरिफ रेट कम किए जाएं और उनकी सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उन्नत किया जाए।

करोड़ों रुपये की है लाइव एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री

मुख्यमंत्री ने बताया कि आयोजकों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से इवेंट परमिशन, सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए 'सिंगल विंडो सिस्टम' लागू किया जा रहा है। इस प्रणाली का सफल उपयोग पहले कांवड़ यात्रा, रामलीला समितियों, दुर्गा पूजा और छठ पर्व के आयोजनों में किया जा चुका है। अब इसी मॉडल को इवेंट मैनेजमेंट सेक्टर में भी लागू किया जा रहा है ताकि दिल्ली 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' में और आगे बढ़ सके। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत में लगभग 150 अरब रुपये की लाइव एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में इस समय दिल्ली का शेयर करीब 2500 से 3000 करोड़ रुपये का है, जिसे आने वाले वर्षों में हासिल किया जाएगा।

राहुल गांधी ने हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से की मुलाकत, कहा- यूपी में लगातार हो रहा दलितों का उत्पीड़न

फतेहपुर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मारे गए दलित युवक हरिओम वाल्मीकि पर देश का सियासी माहौल अभी भी गर्म है। हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से शुक्रवार को रायबरेली सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार दलितों का उत्पीड़न हो रहा है।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पीड़ित परिवार के साथ हत्यारों जैसा व्यवहार हो रहा है। हरिओम की बहन बीमार है, उसे घर में बंद कर रखा गया है। उत्तर प्रदेश में लगातार दलितों का उत्पीड़न हो रहा है। भाजपा राज में पूरे देश में दलितों के साथ अत्याचार और बलात्कार हो रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील करते हुए हरिओम के परिवार को न्याय देने की मांग की और अपराधियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने की मांग की।

राहुल गांधी ने कहा कि सुबह से ही पीड़ित परिवार को धमकाया गया है। कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। हम उनकी हर संभव मदद करेंगे।

कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने फतेहपुर में हरिओम वाल्मीकि के परिवार से मुलाकात कर उनका दर्द बांटा। कुछ दिनों पहले दलित समाज से आने वाले हरिओम जी की पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। उनका परिवार बेहद पीड़ा से गुजर रहा है और न्याय की उम्मीद में है। जो हरिओम वाल्मीकि के साथ हुआ, वह इस देश के संविधान के प्रति घोर अपराध है। ऐसी ओछी विचारधारा समाज पर कलंक है। हम इस अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ते रहेंगे। ये देश मनुवाद से नहीं, बाबा साहेब के संविधान से चलेगा।

वहीं, राहुल गांधी के दौरे से पहले हरिओम वाल्मीकि के घर जाने वाले रास्तों पर विरोध में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में लिखा है कि गिद्ध बनकर मंडराते हैं, नफरत फैलाने आते हैं, दर्द को मत भुनाओ, वापस जाओ, हमें जाति पति में बताने की तुम्हारी ये कोशिश कभी कामयाब नहीं होगी, और कई अन्य पोस्टर लगे हैं।

रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि को लोगों ने चोर समझकर 2 अक्टूबर की रात पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया था।

फिलहाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिला प्रशासन की पहल पर हरिओम वाल्मीकि की बहन कुसुम देवी को अमर शहीद जोधा सिंह अटैया ठाकुर दरियाव सिंह चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में आउटसोर्स के तहत स्टाफ नर्स के रूप में नियुक्ति पत्र दिया गया

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में भारत और मंगोलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों और रणनीतिक सहयोग पर चर्चा करने के लिए मंगोलियाई राष्ट्रपति श्री खुरेलसुख उखना के साथ बैठक की।

कर्नाटक सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए आरएसएस को बना रही निशाना - प्र ाद जोशी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए राज्य सरकार आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास कर रही है। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, मंत्री जोशी ने कहा कि राज्य में हालात स्पष्ट रूप से कांग्रेस सरकार के खिलाफ हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हर स्तर पर सरकार की नाकामियों, विकास में रुकावट और कांग्रेस के भीतर अंदरूनी कलह की चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, इस सब से ध्यान भटकाने के लिए सरकार ने यह साजिश रची है। देखते हैं कर्नाटक की कांग्रेस सरकार आरएसएस के खिलाफ क्या नोटिस जारी करती है। उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। आरएसएस पहले सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर चर्चा करेगा और फिर प्रतिक्रिया पर फैसला करेगा। उसके बाद हम अपना रुख तय करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य के एक मंत्री ने आरएसएस के बारे में मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा था और मुख्यमंत्री ने भी राज्य सचिव को पत्र लिखा था।

उन्होंने कहा, वे तमिलनाडु मॉडल अपनाने की बात कर रहे हैं। आज, कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे को उठाया और कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ाया।

सरकार की नाकामियों के बारे में बताते हुए, आर.वी. देशपांडे, बसवराज रायारेड्डी और विधायक राजू कागे ने खुलकर अपनी नाराजगी जताई है। जोशी ने आरोप लगाया, इन मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकार आरएसएस पर हमला बोल रही है और मुद्दे को भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने दावा किया, पिछले साल, जब विधायकों ने सरकार के खिलाफ बगावत की थी, तब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 25 करोड़ रुपए और सड़क विकास के लिए अतिरिक्त धनराशि जारी करने का वादा किया था। लेकिन यह कहां दिया गया? गड्ढों को भरने के लिए भी पैसा जारी नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आने से पहले सरकार ने सभी को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में, उन्होंने उपयोग पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क जोड़ दिया और लोगों को धोखा दिया।

आर्मी कैंप पर ग्रेनेड एटैक, 3 जवान गंभीर रूप से घायल; सर्च ऑपरेशन जारी

दिसपुर (आरएनएस)। असम के तिनसुकिया जिले के काकोपाथर इलाके में स्थित एक आर्मी कैंप पर देर रात ग्रेनेड हमला हुआ। इस हमले में सेना के तीन जवान घायल हो गए हैं। गुरुवार रात हुई इस घटना के दौरान गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें देर तक सुनाई देती रहीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सूत्रों के मुताबिक, आधी रात के करीब अज्ञात हमलावरों ने भारतीय सेना की 19 ग्रेनेडियर्स यूनिट के कैंप के पास ग्रेनेड फेंके। धमाकों में घायल जवानों को नजदीकी सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हमले के बाद सेना और पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे पर तीसरी बार फायरिंग, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कॉमेडियन कपिल शर्मा लगातार ही गैंगस्टर्स के निशाने पर बने हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार तीसरी बार उनके कनाडा स्थिति कैप्स कैफे पर फायरिंग हुई। इस फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों और कुलवीर सिद्धू (नेपाली) ने गोलीबारी के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर हमले की जिम्मेदारी ली है। बता दें, इससे पहले भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ही कपिल के कैफे पर दो बार फायरिंग करवाई थी। कैफे पर कम से कम तीन राउंड गोलियां चलाई गई हैं। हालांकि, अच्छी बात ये है कि किसी के भी घायल होने की खबर सामने नहीं आई है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें गोली चलने के कुछ पल बाद का दृश्य दिखाया गया है। फायरिंग के बाद लारेंस गैंग ने लिखा, वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह। आज जो कैप्स कैफे में तीन बार फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी मैं, कुलवीर सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों लेते हैं। हमारी आम जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जिनसे हमारा झगड़ा है, वो हमसे दूर रहें। जो लोग अवैध काम करते हैं, लोगों से काम करवा कर पैसे नहीं देते हैं, वो भी तैयार रहें। जो भी बॉलीवुड में धर्म के खिलाफ बोलते हैं,

ईडी ने एल्विश यादव और फाजिलपुरिया के खिलाफ चार्जशीट की दाखिल

गुरुग्राम (आरएनएस)। यूट्यूबर एल्विश यादव और पंजाबी सिंगर फाजिलपुरिया के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में दोनों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में चंडीगढ़ की कंपनी स्काई डिजिटल को भी दोषी ठहराया गया है। अदालत ने मामले को संज्ञान में लेकर दोनों आरोपितों को जल्द ही तलब करने का फैसला किया है। इसके बाद ही अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि पंजाबी गायक फाजिलपुरिया के गाने %32 बोर% से करीब 52 लाख रुपये की कमाई हुई थी। इस कमाई का एक बड़ा हिस्सा बिजनौर में तीन एकड़ जमीन खरीदने में खर्च किया गया, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी।

साथ ही, जांच के दौरान एल्विश यादव और फाजिलपुरिया के बैंक खातों से कुल तीन लाख रुपये जब्त किए गए, जबकि स्काई डिजिटल कंपनी के खाते से दो लाख रुपये जब्त किए गए। ईडी ने दोनों की करीब 55 लाख रुपये की संपत्ति भी अटैच कर ली है। यह सब उस म्यूजिक वीडियो से जुड़ा हुआ है जिसमें दोनों कलाकारों ने सांपों के साथ शूटिंग की थी। यह मामला %कोबरा कांड% के नाम से भी जाना जाता है, जिसके तहत पहले भी एल्विश यादव के खिलाफ नोएडा पुलिस ने केस दर्ज किया था। उस केस में आरोप था कि एल्विश यादव ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करते हुए सांपों का अवैध इस्तेमाल किया था। इसके अलावा, उन पर आरोप था कि उन्होंने एनसीआर क्षेत्र में रेव पार्टियों और फार्महाउसों में जिंदा सांप और उनके जहर का भी कारोबार किया। इस मामले में पुलिस ने कड़ी जांच के बाद एल्विश यादव को गिरफ्तार भी किया था।

ईडी ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की और पाया कि %32 बोर% गाने में इस्तेमाल सांप और अन्य वन्य जीव संरक्षित हैं, और इनका व्यावसायिक उपयोग कानून के खिलाफ है। यह वीडियो स्काई डिजिटल कंपनी द्वारा शूट किया गया था, जबकि एल्विश यादव ने इसे यूट्यूब पर प्रमोट किया था। यूट्यूब पर इस वीडियो से हुई कमाई को भी अपराध से हुई आय माना गया है, इसलिए इसे जब्त किया गया है।

गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय ने सितंबर 2024 में एल्विश यादव और फाजिलपुरिया को लखनऊ के जोनल कार्यालय में तलब करके पूछताछ की थी। जांच के दौरान दोनों की कमाई के स्रोत और संपत्तियों की जानकारी जुटाई गई। अब अदालत द्वारा आरोपितों को तलब किए जाने के बाद उनसे पक्ष जानने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद ही इस मामले की अगली कानूनी कार्यवाही होगी।

लालू यादव के हाथों सिंबल मिलने पर खेसारी लाल खुश, छपरा से करेंगे नामांकन

पटना (आरएनएस)। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों ने चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव भी राजद से चुनाव लड़ेंगे। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भोजपुरी एक्टर खेसारी लाल यादव को पार्टी का सिंबल दिया। इसे लेकर खेसारी लाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक तस्वीर भी शेयर की है। खेसारी छपरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे और वे शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगे। खेसारी लाल यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मैं, आप सभी का बेटा और भाई खेसारी लाल यादव, इस बार छपरा विधानसभा से चुनाव लड़ रहा हूं। मैं कोई परंपरागत नेता नहीं हूं, मैं आप सभी जनता जनार्दन का बेटा हूं, खेत-खलिहान का लाल हूं, हर तबके की आवाज हूं और युवा भाइयों का जोश हूं।उन्होंने कहा कि मेरे लिए राजनीति कोई कुर्सी की दौड़ नहीं है, ये एक जिम्मेदारी है, छपरा के हर घर तक विकास पहुंचाने की, हर दिल की आवाज बनने की। राष्ट्रीय जनता दल की विचारधारा, लालू प्रसाद यादव और बड़े भाई तेजस्वी यादव का

राघोपुर में तेजस्वी यादव को तीसरे नंबर पर धकेल देंगे - प्रशांत किशोर

पटना (आरएनएस)। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को दावा किया कि वे राघोपुर से इस विधानसभा चुनाव में राजद नेता तेजस्वी यादव को तीसरे नंबर पर धकेल देंगे। उन्होंने महागठबंधन में सीटों को लेकर चल रहे खींचतान के बारे में कहा कि महागठबंधन को तो पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि वीआईपी के मुकेश सहनी उनके साथ हैं या नहीं। बिना एक भी सीट पर चुनाव लड़ने की आधिकारिक घोषणा किए, उन्होंने डिप्टी सीएम बनने का दावा कर दिया है। मूल बात यह है कि इस बार महागठबंधन ने खुलकर करोड़ों रुपए में टिकटों की बिक्री की है। कई जगहों पर महागठबंधन के दो-दो दलों ने उम्मीदवार दे दिए हैं। प्रशांत किशोर ने खुद के राघोपुर से चुनाव न लड़ने के फैसले को पार्टी का फैसला बताते हुए कहा कि पार्टी का कहना है कि इससे जन सुराज के शेष उम्मीदवारों को मदद हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि तेजस्वी यादव और उनका पूरा परिवार मिलकर भी हमें नहीं डरा सकता है। आप देखिएगा, राघोपुर में उनको तीसरे नंबर पर धकेल देंगे।

बता दें कि पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव राघोपुर से एक बार फिर चुनावी मैदान में उतरे हैं। इससे पहले, पूर्व सांसद और अररिया के जोकीहाट से चार बार विधायक रहे सरफराज आलम जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने उनका पार्टी में स्वागत किया। सरफराज आलम पूर्व केंद्रीय मंत्री और सीमांचल की राजनीति के बड़े मुस्लिम चेहरे स्वर्गीय तस्लीमुद्दीन के पुत्र हैं। वर्ष 1996 में पहली बार राजद के टिकट पर जोकीहाट से उपचुनाव जीतकर विधायक और बिहार सरकार में मंत्री बने

हिमाचल प्रदेश : भाजपा का राज्य सरकार पर तीखा हमला, आपदा राहत में भेदभाव का आरोप

बिलासपुर (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर प्राकृतिक आपदा को गंभीरता से न लेने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता रणधीर शर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वर्ष 2023 की तरह इस बार भी सरकार ने आपदा प्रभावितों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा नहीं की, जिससे प्रदेश के कई जिलों के लोग राहत से वंचित रह गए। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल मंडी जिले को राहत पैकेज मिला, जबकि पूरे प्रदेश को इसकी जरूरत थी। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया, इस साल बरसात के कारण प्रदेश में 300 से अधिक मौतें हुईं, 50 लोग लापता हैं, 1700 से अधिक घर पूरी तरह नष्ट हुए, और साढ़े सात हजार घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए। इसके अलावा, साढ़े आठ हजार पशुशालाएं भी प्रभावित हुईं। उनके विधानसभा क्षेत्र में भी 100 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए,

पंजाब डीआईजी के घर से 5 करोड़ का कैश, सोने के गहने समेत कई सामान बरामद, सीबीआई ने नोट गिनने के लिए मंगाई मशीन

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को सीबीआई ने 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने मंडी गोबिंदगढ़ के एक स्क्रैप कारोबारी से रिश्वत की मांग की थी। गुरुवार को दिल्ली और चंडीगढ़ से आई सीबीआई की संयुक्त टीम ने ट्रैप बिछाकर उन्हें मोहाली स्थित कार्यालय से पकड़ा।

सूत्रों के अनुसार, डीआईजी की 52 सदस्यीय टीम भुल्लर के मोहाली स्थित दफ्तर और चंडीगढ़ के सेक्टर-40 में बने उनके आलीशान घर की कई घंटों तक तलाशी ले रही है। इस दौरान लगभग एक करोड़ रुपए नकद, तीन बैग और एक अटैची में भरे हुए मिले हैं। नोटों की गिनती के लिए मशीनें मंगानी पड़ीं। इसके अलावा सोने-चांदी के गहने और अहम दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। अब तक मिली अपडेट के अनुसार उनके पास से 5 करोड़ रुपए का कैश बरामद किया गया है।

फिलहाल भुल्लर को एक गोपनीय स्थान पर रखकर पूछताछ की जा रही है। ष्टक्चढ्ढ के सूत्रों ने बताया कि शिकायतकर्ता एक स्क्रैप व्यापारी ने 11 अक्टूबर को शिकायत दी थी कि ष्ठढ्ढत्र ने रिश्वत मांगने के लिए एक बिचौलिए कृष्नु को भेजा था। ष्टक्चढ्ढ ने पहले कृष्नु को पकड़ा और उसी के बयान के आधार पर ष्ठढ्ढत्र को ट्रैप किया गया। ष्टक्चढ्ढ की योजना है कि शुक्रवार को भुल्लर को मोहाली ष्टक्चढ्ढ कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि इस पूरे नेटवर्क में अन्य पुलिस अधिकारी या राजनैतिक लोग भी शामिल थे या नहीं।

बाजवा ने 'भ्रामक' औद्योगीकरण अभियान के लिए आप सरकार की आलोचना की

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर तीखा और स्पष्ट हमला बोला और उसके बहुप्रचारित औद्योगीकरण अभियान को धोखे और खोखले वादों से भरा दिखावा बताया। बाजवा ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दोहरे दोगलेपन को उजागर किया, जो बेंगलुरु में उद्योगपतियों से मिलते हुए, एक ऐसी सरकार की अध्यक्षता करते हैं, जिसने पंजाब लघु उद्योग और निर्यात निगम (पीएसआईईसी) से अनुदान सहायता में 243.73 करोड़ रुपये की बेशर्मी से वापस ले ली है। बाजवा ने इस कदम की निंदा करते हुए कहा, 'एक तरफ सीएम मान नए निवेशकों को खोखले वादे कर रहे हैं और दूसरी तरफ उनका प्रशासन राज्य में पहले से चल रहे उद्योगों के लिए समर्थन प्रणाली को सक्रिय रूप से खत्म कर रहा है.' उन्होंने इस कदम को 'सरासर पाखंड' और आप के कुशासन का प्रतिबिंब बताते हुए इसकी निंदा की. बाजवा ने अपनी लंबे समय से वादा की गई नई औद्योगिक नीति को लागू करने में सरकार की विफलता पर सवाल उठाया, एक प्रतिबद्धता जिसे विभिन्न मंचों पर बार-बार उद्धृत किया गया है, लेकिन कभी पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर पंजाब में उद्यमियों और निर्माताओं के सामने आने वाली जमीनी हकीकत को

पंजाबी बाग चौक को अब स्व. मदन लाल खुराना चौक के नाम से जाना जायेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा पंजाबी बाग पुल के नीचे स्थित पुराने जनरल स्टोर चौक का नामकरण दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मदन लाल खुराना के जन्मदिन के अवसर पर किया गया। इस चौक का लोकार्पण समारोह आज उनकी जन्म जयंती 15 अक्टूबर 2025 को हुआ। आयोजन का संचालन लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के तत्वावधान में किया गया।

नामकरण पट्टिका का अनावरण दिल्ली सरकार लोक निर्माण मंत्री श्री परवेश साहिब सिंह, श्री मनजिंदर सिंह सिरसा, श्री कपिल मिश्रा, श्री रविन्द्र इंद्राज, नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र की सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज, विधायक श्री राजकुमार भाटिया ने किया। इस मौके पर विधायक हरीश खुराना की माताजी श्रीमती राज मदन लाल खुराना, विशेष रूप से इस गौरवशाली क्षण के साक्षी बने। क्षेत्रीय विधायक श्री हरीश खुराना इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने वीडियो कॉल के माध्यम से समस्त क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की और खुराना जी के कार्यों को याद किया।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार की पहल के तहत राजधानी के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से महत्त्वपूर्ण स्थलों को स्थानीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों और जननेताओं के नाम से जोड़ा जा रहा है। इससे नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं, को ऐसे नाम करण से महान हस्तियों के जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर मिलता है। सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय मदन लाल खुराना जी ने दिल्ली की सेवा में जो समर्पण, निष्ठा और ईमानदारी दिखाई, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि यह चौक केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस व्यक्ति की स्मृति है जिसने दिल्ली को आधुनिक विकास की राह पर आगे बढ़ाया। यह चौक नागरिकों को यह याद दिलाएगा कि राजनीति का असली उद्देश्य जनता के बीच रहकर उनके जीवन को बेहतर बनाना है।

विधायक हरीश खुराना ने अपने पिताश्री स्व मदन लाल खुराना को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इस चौक का नामकरण न केवल भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्र की पहचान और गौरव का प्रतीक भी बनेगा।

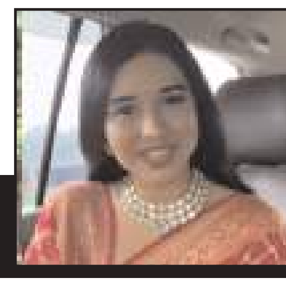

बिग बॉस 19 के अंदर हर दिन कुछ नया हो रहा है, वहीं घर के बाहर भी कुछ न कुछ नया होता रहता है, और हमारे पास लगातार कई जानकारियाँ आ रही हैं। और अब, ऐसा लग रहा है कि तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हालांकि यह एक ऐसी बात बन गई है जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा है, आइए इस पर और उनके अन्य विवादों पर नज़र डालते हैं जिनके बारे में बात होती रहती है।

मौनी रॉय का अनस्टॉपेबल 2025 जारी: एक्ट्रेस ने अपनी नई ओटीटी रिलीज़ की शूटिंग शुरू की

2025 के शानदार सफ़र के बाद, मौनी रॉय ने कोई समय ज़ाया नहीं किया है। हाल ही में मिलान फैशन वीक में अपने लुक्स से दुनिया को दीवाना बनाने के बाद, एक्ट्रेस ने अब अपने अगले प्रोजेक्ट — एक ह्ल्ल्ल्ल वेंचर — की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसकी शूटिंग मुंबई और पंजाब में होगी। मौनी ने सोशल मीडिया पर अपने स्क्रिप्ट की एक धुंधली तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, और अगले प्रोजेक्ट की ओर... प्यार और आशीर्वाद, प्लीज़ एक्स, और यह देख कर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मैट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उनकी एनर्जी और समर्पण ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली प्रतिभाओं में से एक बना दिया है। 2025 मौनी रॉय के लिए बेहद शानदार साल रहा है। उन्होंने 'द भूतोनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। स्क्रीन के अलावा, उन्होंने मिलान फ़ैशन वीक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और एक ग्लोबल फ़ैशन आईटी गर्ल के रूप में अपनी पहचान बनाई।

उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम 3ष्ठ' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

फिल्मफेयर 2025 त्न शाहरुख के अनुरोध पर काजोल ने बीमारी भुलाकर रिक्रिएट किया 90 के दशक का जादू

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 के कार्यक्रम को होस्ट किया। इस दौरान काजोल और किंग खान अपनी फिल्म के एक गाने पर परफॉर्म करते दिखे, दोनों ने मिलकर 90 के दशक के रोमांस के जादू को स्टेज पर जीवंत कर दिया। आईएएनएस ने इस अवॉर्ड नाइट को विशेष तौर पर कवर किया। इस दौरान शाहरुख खान ने मंच पर खुलासा किया कि बीमारी से जूझने के बावजूद, काजोल उनके अनुरोध पर अहमदाबाद आईं और मंच पर उनके साथ परफॉर्म करने को तैयार हुईं। यह काजोल की काम के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण को दर्शाता है। फिल्मी सितारों से सजी इस अवॉर्ड नाइट में शाहरुख और काजोल ने अपने हिट गानों 'तुझे देखा तो',

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपनी डांस परफॉर्मेंस से 70वें फिल्मफेयर अवाईस में लगाया चार चाँद

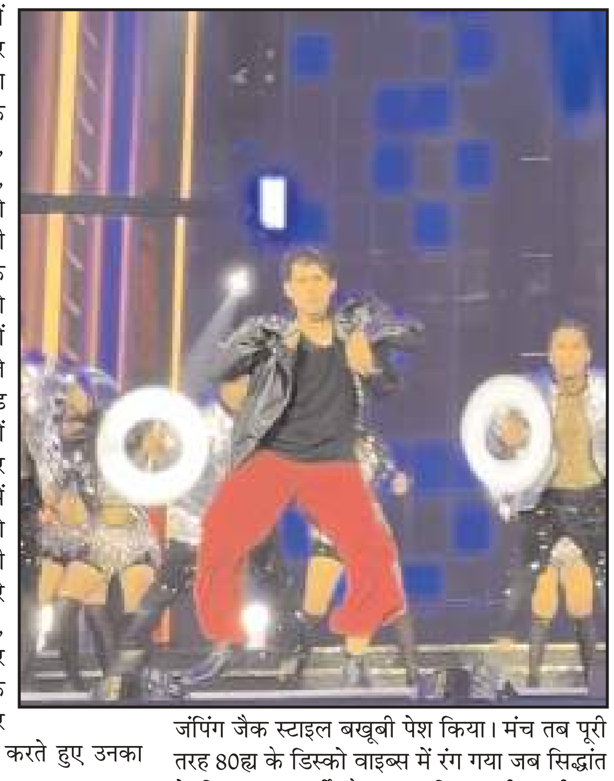

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 70वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स के मंच पर अपनी दमदार परफॉर्मेंस से आग लगा दी, जहाँ उन्होंने बॉलीवुड के दिग्गज डांस आइकॉन शम्मी कपूर, जितेन्द्र, मिथुन चक्रवर्ती, गोविंदा, शाहिद कपूर और ऋतिक रोशन को एक शानदार ट्रिब्यूट दिया। अपनी एनर्जी, चार्म और स्टेज प्रेज़ेंस के लिए मशहूर सिद्धांत ने दर्शकों को बॉलीवुड के डांस के सुनहरे दौरों की एक नॉस्टैल्जिक यात्रा पर ले गए। एक स्पेशल कोरियोग्राफ्ड मेडली में उन्होंने इन सभी सितारों के आइकॉनिक सिग्नेचर गानों पर डांस किया, जो हिंदी सिनेमा में डांस की यात्रा और विकास को दर्शाते हैं। उन्होंने शुरुआत की शम्मी कपूर के जोश और करिश्मे से भरे गाने चाहे कोई मुझे जंगली कहे से, जिसमें उनका विंटेज अंदाज़ और एनर्जी देखने लायक थी। इसके बाद उन्होंने जितेन्द्र के सदाबहार गाने एक आँख मारूं तो पर डांस करते हुए उनका जंपिंग जैक स्टाइल बखूबी पेश किया। मंच तब पूरी तरह 80ह्य के डिस्को वाइब्स में रंग गया जब सिद्धांत ने मिथुन चक्रवर्ती के कल्ट हिट जूली जूली पर धमाकेदार डांस किया। उन्होंने फिर गोविंदा के मज़ेदार अंदाज़ और कॉमिक टाइमिंग को आपके आजाने से के जरिए दोहराया, जिससे दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। आधुनिक युग में प्रवेश करते हुए सिद्धांत ने शाहिद कपूर की यूथफुल एनर्जी को सड्डी गली आजा पर रिक्रिएट किया, और अंत में ऋतिक रोशन के आइकॉनिक दिल ने दिल को पुकारा पर डांस करते हुए शो को शानदार अंदाज़ में खत्म किया — जहाँ उनकी स्मूद मूव्स और फिनेस ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। यह परफॉर्मेंस इसलिए और खास रही क्योंकि यह सिद्धांत चतुर्वेदी का पहला ऑन-स्टेज डांस एक्ट था। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने अब तक अपनी किसी फिल्म में डांस सीचेंस नहीं किया है, फिर भी उन्होंने हर स्टेप को इतनी सहजता, एनर्जी और कॉन्फिडेंस से निभाया कि यह यकीन करना मुश्किल था कि यह उनका डेब्यू डांस परफॉर्मेंस है। उनका यह शानदार ट्रिब्यूट रेट्रो चार्म और मॉडर्न एनर्जी का एक परफेक्ट संगम साबित हुआ।

अच्छा...मैंने कुछ नया ट्राई किया ˭ दिलजीत दोसांझ की कुफ़र में मानुषी छिल्लर का बेहद सेक्सी लुक रोमांचित कर रहा है

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर और दिलजीत दोसांझ अपनी नई साझेदारी से पर्दे पर आग लगा रहे हैं। उनका आने वाला म्यूज़िक वीडियो अब तक देखे गए सभी वीडियो से बिल्कुल अलग है, और हाल ही में रिलीज़ हुआ टीज़र उनके साथ मिलकर रचे गए जादू का सबूत है। विज़ुअल्स में दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री, एनर्जेटिक स्क्रीन प्रेज़ेंस और एक ऐसा मेल नज़र आता है जो अप्रत्याशित होते हुए भी तुरंत मन मोह लेता है। दिलजीत दोसांझ के आगामी एल्बम ऑरा के गाने च्कुफ़रज् का टीज़र आज सुबह जारी किया गया, और यह दर्शकों को पूरी तरह प्रभावित कर रहा है। इसमें मानुषी और दिलजीत की यह नई जोड़ी पहली बार साथ नज़र आ रही है, जहाँ मिस वर्ल्ड अपने कलात्मक सफ़र को एक नए दिशा में ले जा रही हैं, जहाँ वैश्विक आकर्षण और स्थानीय आकर्षण का संगम है। यह सहयोग मानुषी के रचनात्मक सफ़र के एक नए पड़ाव का संकेत है, जो हर नए प्रोजेक्ट के साथ विकसित होता जा रहा है। इस गाने के टीज़र में मानुषी की एक बिल्कुल नई झलक दिखाई देती है – एक ऐसा बोल्ड और ग्लैमरस अवतार जो अब तक दर्शकों ने नहीं देखा था। उनकी दमकती इंटेंसिटी को कैद करने वाले आकर्षक क्लोज़-अप से लेकर डेनिम के साथ चमकदार नारंगी रंग के क्रॉप टॉप में उनके अंदाज़ तक, मानुषी हर फ्रेम में ध्यान आकर्षित करती हैं।

च्कुफ़रज् के साथ वह ग्लैमर को एक नए स्तर पर ले जाती हैं, जहां वह आत्मविश्वास और बोल्डनेस से भरपूर, दिलजीत के स्वैग से कदम मिलाती नज़र आती हैं। दोनों एक पुराने, मंद रोशनी वाले बार सेट में झूमते दिखाई देते हैं, जहाँ झूमर और विंटेज माहौल पूरे दृश्य को पुरानी यादों की खूबसूरती से भर देते हैं। मानुषी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह टीज़र साझा करते हुए लिखा —खैर... मैंने कुछ नया करने की कोशिश की ??????

विद्या बालन ने बताया आकर्षण के नियम की वजह से उन्हें मिली थी परिणीता

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने सोमवार को बताया कि उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज् कैसे मिली थी। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि फिल्म के निर्देशक प्रदीप सरकार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा। विद्या ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह सीखो ना नैनो की भाषा पिया गाने पर एक्टिंग करती दिखाई दे रही हैं। इस गाने के बारे में बात करते हुए विद्या ने बताया कि जब उन्होंने पहली बार यह गाना सुना, तो उन्हें तुरंत यह पसंद आ गया और वह प्रदीप सरकार जैसे निर्देशक के साथ काम करने के सपने देखने लगी थीं। विद्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, मुझे गानों पर लिप सिंक करना बहुत पसंद है और यह गाना मुझे बहुत पसंद है। जब मैंने इसे पहली बार देखा, तो मैं प्रसून जोशी के गीत से उतनी ही प्रभावित हुई जितनी कि इसके फिल्मांकन से। इसी दौरान मेरे मन में इस कुशल कहानीकार प्रदीप सरकार के साथ काम करने की इच्छा भी जागी।

इसमें उन्होंने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपनी पहली फिल्म च्परिणीताज् मिली। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता भी नहीं था कि ब्रह्मांड ने अपना जादू चलाना शुरू कर दिया है। कुछ साल बाद मुझे दादा के साथ एक विज्ञापन फिल्म मिली और फिर किस्मत से मुझे उनके तीन म्यूजिक वीडियो में भी काम करने का मौका मिला। सबसे खास बात यह थी कि चकिस्सों की चादरज् एल्बम में काम करने का मौका मिला। इतना ही नहीं, आखिरकार दादा ने मुझे परिणीता में लॉन्च किया।

भूल भुलैया के 18 साल पूरे, टी-सीरीज ने ताजा की यादें

अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी-हॉरर फिल्म च्भूल भुलैयाज् को 18 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर टी-सीरीज ने पोस्ट कर फिल्म की पुरानी यादों को ताजा किया। टी-सीरीज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म के यादगार सीन पोस्ट किए, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मंजुलिका के 18 साल! इस फिल्म ने हॉरर को हंसी-मजाक के साथ पेश कर दर्शकों का दिल जीता। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और आज भी दर्शकों की पसंदीदा है।

च्भूल भुलैयाज् में अक्षय कुमार, विद्या बालन, शाइनी आहूजा और अमीषा पटेल मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं, परेश रावल, राजपाल यादव, मनोज जोशी, असरानी और विक्रम गोखले जैसे सितारों ने सहायक भूमिकाएं निभाईं। फिल्म का संगीत प्रीतम और रंजीत बारोट ने तैयार किया था, जबकि गीत समीर और सईद कादरी ने लिखे थे।

धीरे-धीरे कम होंगे डार्क सर्कल्स, अपनाएं ये दो मिनट की असरदार फेस एक्सरसाइज

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम सेहत को पीछे छोड़ते हुए जा रहे हैं। खासकर मानसिक थकान, नींद की कमी और गलत खानपान की वजह से हमारी त्वचा और आंखों के नीचे पड़ने वाले काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स एक आम समस्या बन चुके हैं। चाहे वो ऑफिस में लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना हो या फिर देर रात तक मोबाइल चलाना, इन सब चीजों के कारण डार्क सर्कल्स और भी गहरे होते जाते हैं, जो चेहरे की खूबसूरती को बिगाड़ते हैं। ऐसे में हर कोई इससे निजात पाना चाहता है, वो भी बिना किसी महंगे इलाज या केमिकल प्रोडक्ट्स के। आयुष मंत्रालय और योग विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपाय और फेस एक्सरसाइज न केवल डार्क सर्कल्स से राहत दिला सकती हैं, बल्कि चेहरे की त्वचा को भी जवान और दमकता हुआ बना सकती हैं। इन्हीं में से एक बेहद सरल लेकिन प्रभावी उपाय है चेहरे की एक खास एक्सरसाइज, जिसे आप दिन में कभी भी कर सकते हैं। इस एक्सरसाइज को न तो किसी खास उपकरण की जरूरत होती है, न ही किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की।

इस एक्सरसाइज की शुरुआत गुनगुने पानी से होती है। सबसे पहले, एक गिलास हल्का गुनगुना पानी लें और उसे मुंह में भर लें। अब, मुंह में पानी भरे रहने के दौरान अपने चेहरे की सभी मांसपेशियों को जितना हो सके टाइट करें। इस स्थिति में करीब दो मिनट तक रुकें। इसके बाद पानी को बाहर निकाल दें। दिखने में यह एक्सरसाइज जितनी आसान लगती है, असर में यह उतनी ही दमदार है।

यह प्रक्रिया चेहरे की भीतरी मांसपेशियों को हल्की स्ट्रेच देती है, जिससे वहां ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। जब चेहरे की कोशिकाओं तक भरपूर ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचते हैं, तो त्वचा स्वाभाविक रूप से स्वस्थ और दमकती दिखती है। आंखों के नीचे की सूजन धीरे-धीरे कम होने लगती है और काले घेरे हल्के पड़ने लगते हैं। इसके अलावा, चेहरे को टाइट करने से स्किन की टोनिंग होती है, जिससे झुर्रियों की शुरुआत भी रोकी जा सकती है।

इस एक्सरसाइज को रोजाना दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी जाती है, खासकर उनके लिए जो दिनभर स्क्रीन के सामने रहते हैं या जिनकी नींद पूरी नहीं हो पाती। ऐसे लोगों में डार्क सर्कल्स का खतरा कई गुना ज्यादा होता है, क्योंकि लगातार थकान और नींद की कमी से आंखों के नीचे की त्वचा सबसे पहले प्रभावित होती है।

फेस टाइटनिंग एक्सरसाइज न केवल इस क्षेत्र की मांसपेशियों को मजबूत करती है, बल्कि मानसिक सुकून भी देती है। जब हम इसे करते हैं, तब हम अनजाने में कुछ देर के लिए गहरी सांसें भी लेने लगते हैं, जिससे शरीर और दिमाग को शांति मिलती है। यह भी एक वजह है कि इसे एक तरह का माइक्रो मेडिटेशन भी कहा जा सकता है,

नाश्ते के लिए बेस्ट है दलिया, पूरे शरीर को देगा एनर्जी का फुल डोज

हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाने के लिए सबसे पहला कदम है अच्छा खाना। समय कम है लेकिन खाना हेल्दी और टेस्टी होना चाहिए और कम समय में बनकर तैयार होना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है दलिया, जिसे अलग-अलग तरीकों से बनाया जा सकता है और उसकी पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। ये एक ऐसा सुपरफूड है जिसे हर उम्र के लोग खा सकते हैं, लेकिन किस समय दलिया खाना चाहिए, ये जानना भी बहुत जरूरी है। दलिया पचने में आसान होता है और यह शरीर को फायदा पहुंचाता है। दलिये में फ्रखराबफ्र कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है, जिससे कोलेस्ट्रॉल का खतरा कम होता है और दिल पर दबाव कम पड़ता है। इसके साथ ही दलिया में मैग्नीशियम और पोटेशियम भी होते हैं, जो काफी हद तक हाई बीपी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। दलिया का सेवन करने से वजन भी नहीं बढ़ता है, क्योंकि इसे बहुत ही हल्का खाना माना गया है। दलिया में फाइबर और कैलोरी दोनों होती हैं, जो जल्दी भूख नहीं लगने देती और वजन भी बढ़ने नहीं देती।

दलिया पाचन तंत्र को ठीक तरीके से चलाने में मदद करता है। दलिया में दो तरह के फाइबर मौजूद होते हैं, पहला घुलनशील फाइबर और दूसरा अघुलनशील फाइबर। इससे कब्ज की समस्या भी दूर होती है। अगर आप खून की कमी से जूझ रहे हैं तो दलिया बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। दलिया में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में एनीमिया की कमी को दूर करता है और रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है।

दलिया खाने में लाभकारी है, लेकिन इसका बनाने का तरीका भी खाने के फायदे को दोगुना बना सकता है। दलिया को दूध के साथ बनाएं, लेकिन इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें, बल्कि गुड़ या शहद डालें। साथ ही, उसमें सूखे मेवे भी डाल सकते हैं। इसके अलावा, मूंग दाल वाला दलिया भी बना सकते हैं। मूंग दाल का दलिया सबसे ज्यादा पौष्टिक होता है क्योंकि इसमें प्रोटीन और फाइबर एक साथ ही मिल जाते हैं। दोनों को नाश्ते से लेकर डिनर तक में ले सकते हैं। सब्जियों से बना दलिया भी सेहत के लिए अच्छा रहता है। पालक, गाजर, और मटर के साथ भी दलिया बनाया जा सकता है। इससे दलिया में सारी हरी सब्जियों के गुण आ जाएंगे। इसे आप रात और दिन कभी भी खा सकते हैं। दलिया खाते समय कुछ सावधानियां भी बरतनी चाहिए। दलिया का ज्यादा सेवन भी पेट को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में दस्त, उल्टी और कब्ज की समस्या हो सकती है।

शब्द सामर्थ्य -201

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीबी, एक प्रत्यय।

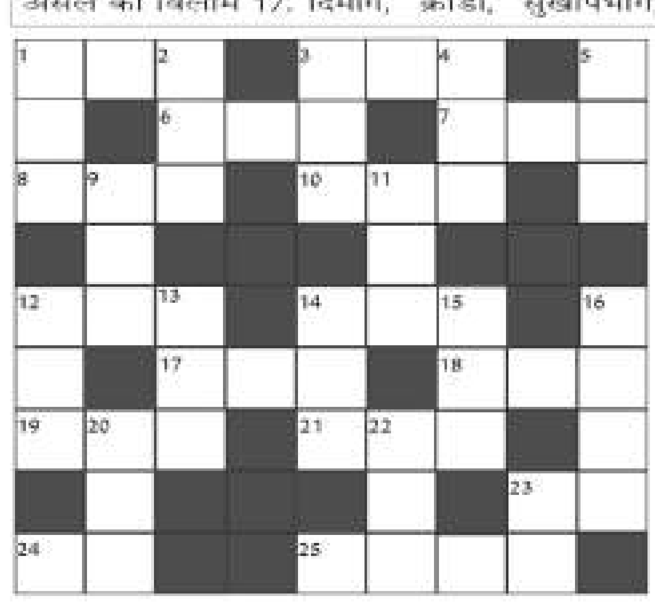

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 200 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
बा		त	म	ब्रा			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार में मुन्नालाल चौधरी उम्र 61 वर्ष निवासी कजरवारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात घर में था रात लगभग 9-15 बजे मोहल्ले के सुनील चोधरी एवं सोनू चौधरी आकर जोर से चिल्लाते हुये उसके घर के दरवाजा खटखटाये तो वह दरवाजा खोलकर बाहर आया दोनो उससे शराब पीने के लिये 400 रूपये मांगने लगे, उसने मना किया तो दोनों गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर सुनील ने पत्थर से हाथ में चोट पहुँचा दी तथा जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जप्त की मिलावटी घी बनाने में इस्तेहमाल की जाने वाली सामग्री दूषित और पुराने दही को नष्ट कराया

जबलपुर-खाद्य पदार्थों में मिलावट तथा त्यौरहार के दौरान दूषित खाद्य पदार्थों का विक्रय रोकने कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत आज शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ हाथीताल स्थित इरावत कॉम्पलेक्स के सामने उग्रसेन गुप्ता के निवास का निरीक्षण कर एक कमरे से मिलावटी घी बनाने की सामग्री मिल्क कीम और वनस्पति घी बरामद किया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार दुबे से प्राप्ति जानकारी के अनुसार निरीक्षण के दौरान बनाये गये घी तथा वनस्पति के नमूने जांच हेतु एकत्र कर 65 किलोग्राम क्रीमए 13 पैकेट वनस्पति घी तथा 30 किलोग्राम घी को भी जप्त कर लिया गया है। उन्हों ने बताया कि इस कार्यवाही के साथ.साथ रूद्राक्ष पार्क के समीपए गंगानगर में इसी परिवार द्वारा संचालित श्री कृष्णा डेयरी एवं बेकरी का भी निरीक्षण किया गया। श्री कृष्णात डेयरी एवं बेकरी से घी का नमूना लेकर 5 किलोग्राम घी जप्त किया गया तथा डेयरी में 105 किलोग्राम दूषित और पुराना दही मौके पर ही विनिनष्ट कराया गया। इसके अतिरिक्त अभियान के दौरान शुक्रवार को मदनमहल स्थित हीरा स्वीट्स से खोवा और सोनपपड़ीए राजस्थान स्वीट्स से नमकीनए बीकानेर स्वीट्स से खोवा पेड़ाए सालीवाड़ा स्थित गुप्ता होटल से जलेबी और नमकीनए रामपुर स्थित बड़कुल स्वीट्स से खोवा बर्फी और नमकीनए इंदौर स्वीट्स से खोवा कतली और नमकीनए पाटन रोड़ स्थित अमृत भण्डार से खोवा और खोवा रोलए घमापुर स्थित दुर्गा स्वीट्स से मीठा खोवाए गोराबाजार स्थित मोहन स्वीट्स से कलाकंद और नमकीनए रांझी स्थित बबलू डेयरी से घी और दूध एवं श्री होटल से नमकीन तथा बीकानेर मिष्ठान्न से खोवा और नमकीन के नमूने लिये गये।

दीपोत्वसव का दिया और पर्यावरण

सांध्य रवि नें कहा मेरा काम
लेगा कौन सुनकर रह गया
जगत भी सारा निरुत्तर मौन
एक माटी के दिये नें बहुत
विम्रता से कहा मैं करूँगा
जितना भी बन सकेगा नाथ

कविवर रविंद्र नाथ टैगोर जी की ये पक्तियाँ निश्चय ही माटी के दिये की महत्ता को स्वीकार रहीं हैं। सच ही तो है कि जब घोर अंधकार छाया हो तब रोशनी की एक किरण जीवन में आशा जगा देती है।जब जीवन शैली में विद्युत प्रवाह का युग कम था तब यह एक दिया ही काम आता था। संस्कारधानी जबलपुर की यदि बात करें तो चारों तरफ से यह शहर जबलपुर ग्राम आँचलों से घिरा था। आधुनिकता और तकनीकी की चकचोध कम थी। यहाँ के निवासियों का सीधा साधा सरल जीवन था सादगी सभ्यता संस्कृति धर्म दर्शन आध्यात्म का बोल बाला था तब यह दिया बड़ा काम का था। दैननदिनों के जीवन में भी दिया बहुत काम आता था। शायद बिना दिया -- दीपक के तो कोई शुभ कार्य होता ही नहीं था। वर्ष भर देशी सफेद, लाल अथवा काली मिट्टी के तरह तरह के छोटे बड़े दिया घड़ा, मटका,मटकी सकोरा आदि सुंदर सजावट के तरह तरह के पात्र मिलते थे जिससे की कुम्हारों और हस्तकला हुनर वाजों को रोजगार भी मिलता था।दीवाली अथार्थ दीपोत्सव त्यौहार के अवसर पर तो दिया की आवशकता बहुत अधिक बढ़ जाती थी। दीपमालिका के सजावट की तो बात ही क्या है। घर घर जब दीप मालिका सजाई जाती है तो रोशनी के जगमगाहट की रोनक कुछ अलग ही होती है। अब यदि ध्यान दें इस रोशनी के विज्ञान एवं पर्यावरण को तो हम पाते है कि यह रोशनी आँखों और आस पास के पर्यावरण के लिये अत्यंत लाभदायक होती है क्योंकि यह दिया मिट्टी का होता है गेरू अथवा लाल रँग से पुता होता है इसमें रुई यानें कपास की बत्ती में तेल अथवा घी डाल कर जलाया जाता है। इससे जो धुआँ होता है उसमें कार्बन होता है। यह कार्बन प्रकृति एवं पर्यावरण संतुलन के लिये अत्यन्त सहायक होता है।इससे पर्यावरण में प्रादूषण का खतरा कम होता है।दियों से कचरा भी नहीं होता क्योंकि क्योकिं दिया टुटनें के बाद स्वयं मिट्टी में परिवर्तित हो जाता है और घर परिवार बगीचों में पेड़ पौधे लगानें के काम आ जाता हैं वहीं रुई की बाती भी जलनें के बाद राख बन जाती हैं भूमि में मिट्टी के काम आती है।वहीं एल.ई.डी. तथा विद्युत दियों की सजावट प्रकृति असंतुलन को बढावा देती है।

आज तो मिट्टी के दिया यानें दीपक तो तरह तरह के आनें लगें हैं। ये दिये, दीपक आध्यात्म,ज्योतिष,मंत्र विज्ञान, दर्शन,मनोविज्ञान, स्वास्थ विज्ञान,मौसम एवं पर्यावरण विज्ञान की दृष्टि से बहुत ही उपयोगी होते हैं।प्रकाशमान दिये का मन पर भी बहुत अधिक असर पड़ता है। दिये की उष्मा, ऊर्जा बहुत प्रभावकारी होती ही यही वजह है कि घर परिवार, मंदिरो में पूजा पाठ के समय,ईश वंदना के समय साक्षी मान कर दीप प्रज्जवलित करनें का प्रावधान भारतीय संस्कृति में बनाया गया है। प्रत्येक शुभकार्यों के समय दीया जलाया जाता है।इस प्रक्रिया के भी साधकों को अनोखे अनुभव हैं।मिट्टी के दियों का उपयोग कर बिजली की खपत बचा कर देश में ऊर्जा व्यय को कम करनें में हम सहयोग कर सकतें हैं।

आज मिट्टी के दिये, मिट्टी के खिलोनों नें भी व्यावसायिकता ओढ़ ली है।जिससे फुटपाथ पर बिकनें वाला दिया अब असाह महसूस करता है।फुटपाथ पर बैठे हुये दिये वालों से दिया खरीदना व्यक्ति के आर्थिक स्तर का सूचक बन गया है। जिसमें युवा वर्ग,अमीरी की ओर बढ़ती हुई मानसिकता,नव धनायटया आदि कारक अत्यंत प्रभावित हैं।जिससे दियों का व्यवसाय भी पिछड़ रहा हैऔर अब चाक पर घुमता हुआ दिया बहुत कम दिखाई देता है। अब सभी में पढाई और कंपनी से कमाई की होड़ लग रही है जिससे हमारी संस्कृति पिछड़ रही है। आज अवश्यकता है ऐसे कुटीर उद्योगों की जिसमें हमारे देश के युवा संलग्न होकर हमारी संस्कृति से जुड़ते हुए रोजगार प्राप्त कर देश को प्रगति के पथ पर सहायक बनानें में सहभागी हो सकें।किसी नें सच कहा है ---

मिट्टी का दिया है और रुई की बाती
युगों युगों से दोनों एक दूसरे के साथी
कहतें हैं जलता दिया पर जलती बाती
दिया बनता सहारा बाती जलती जाती

सच ही जल कर रोशनी कोई तभी देता जब सहारा किसी का होता है।अत: हम सभी दीपोत्सव पर हर घर दिया जलानें लगें तो देश में निश्चय ही देशी मिट्टी का दिया, रुई बाती, रंग रोगन,तेल, घी माचिस का व्यवसाय चरमोत्कर्षक पर होगा। निम्न वर्ग मध्यम वर्ग,स्वदेशी उत्पाद को सहारा प्राप्त होगा। जिससे देश केआर्थिक स्तरोन्नयन को भी सहयोग प्राप्त होगा। दीपक अथवा दिया की ज्वलनशीलता से वायुमंडल भी शुभ प्रभावकारी होगा। प्रकृति का पर्यावरण भी संतुलित होगा। तो आइये संस्कारधानी जबलपुरवासी माँ, नर्मदातटवासी हम सभी दीपोत्वसव के अवसर पर सर्वत्र घर घर देशी माटी के दिया जलाकर जबलपुर को प्रकाशवान करें।

(आलेख आप्रकाशित स्वारचित मौलिक सर्वाधिकार सुरक्षित)

डॉ.मुकुल तिवारी। एम.एस- सी रसायन शास्त्र,एम.एड. एम.ए.हिंदी साहित्य, पी-एच.डी. रसायन शास्त्र, एल एल.बी,

पं.बालमुकुंद त्रिपाठी मार्ग, दीक्षितपुरा,जबलपुर, म. प्र.

एम पी ट्रांसको के कार्मिकों ने सृजनशीलता से सजाया शक्ति भवन

दीपावली की पूर्व संध्या पर उमंग और उत्साह का सुंदर संगम

जबलपुर। प्रदेश की बिजली कंपनियों के मुख्यालय शक्ति भवन जबलपुर में दीपोत्सव की पूर्व संध्या पर उल्लास, उमंग और सृजनशीलता का मनोहारी दृश्य देखने को मिला। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के कार्मिकों ने स्वस्फूर्त भागीदारी से भवन परिसर को रंग-बिरंगी रंगोलियों और दीपों से सजा दिया।

महिला कार्मिकों के साथ पुरुष कार्मिकों ने भी अपनी कलात्मकता और पारंपरिक रंगोली कला के माध्यम से भवन को न केवल सजाया, बल्कि ट्रांसमिशन कंपनी के उद्देश्य, कार्यप्रणाली को दर्शाती हुई एकता, रचनात्मकता और सामूहिक भावना का भी संदेश दिया।

दीपों की रोशनी और रंगों की चमक से आलोकित शक्ति भवन में उल्लास और सौहार्द का वातावरण रहा। यह आयोजन किसी औपचारिक निर्देश का परिणाम नहीं, बल्कि कर्मचारियों की स्वस्फूर्त भागीदारी और सामूहिक भावना का प्रतीक रहा, जिसने दीपोत्सव को और भी विशेष बना दिया।

इस अवसर पर एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न विभागों में जाकर रंगोलियों का अवलोकन किया और कार्मिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए एमपी ट्रांसको के कार्मिकों को सुख समृद्धि के इस पर्व पर शुभकामनाएं दी।

दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने शिक्षकों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

जबलपुर- राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार जिला शिक्षा केंद्र द्वारा दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित दिव्यांग बच्चों के अध्यापन हेतु शिक्षकों का पांच दिवसीय ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा का जिला स्तरीय प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट में आज शुक्रवार को संपन्न हुआ।

पाँच दिनों के इस प्रशिक्षण में जिले के ऐसे प्रत्येक स्कूल के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया जहां दृष्टिबाधित एवं श्रवण बाधित बच्चे अध्यनरत हैं। ब्रेल एवं सांकेतिक भाषा के इस प्रशिक्षण में 30.30 शिक्षक शामिल हुये। इनके साथ विकासखंड के मोबाइल स्त्रोत सलाहकार को भी प्रशिक्षण दिया गया।

जिला समन्वयक राज्य शिक्षा केन्द्र योगेश शर्मा के अनुसार 13 से 17 अक्टूबर तक के इस प्रशिक्षण में उपस्थित समस्त शिक्षकों को प्रशिक्षकों द्वारा ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा सिखाई गई। मूल्यांकन डाइट के प्रभारी प्राचार्य अजय दुबे ने किया। उन्होंने प्रशिक्षण की सराहना करते हुए कहा कि इतने कम समय में सभी उपस्थित शिक्षकों को आधारभूत ब्रेल एवं सांकेतिक भाषा समझ जाना सराहनीय है। प्रशिक्षण में राज्य शिक्षा केंद्र से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा पूरे 5 दिन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में सामाजिक न्याय विभाग की संस्थाओं का भी सहयोग रहा।

हर मन बसे हैं राम (दीपावली पर विशेष)

अखिल ब्रह्मांड के स्वामी प्रभु श्री राम का 14 वर्ष के बाद दीपावली के दिन अयोध्या आगमन होना एक साधारण घटना नहीं है। एक राज पुत्र जिनका अगले ही दिवस राज्याभिषेक होना है पारिवारिक घटनाक्रम से वनवास दिया जाना सामान्य मानविकी के जीवन में होने वाली असामान्य घटनाएं हैं। आपके जीवन में ऐसी कई घटनाएं घट सकती है या घट रही होगी जिनको देखकर आप विचलित हो जाते हैं परंतु वे राम है, न वे सुख से सुखी होते हैं और ना दुख से दुखी बल्कि हर परिस्थिति में स्वयं को तैयार रखते हैं, सामना करने के लिए, परिस्थितियों पर विजय पाने के लिए और समाज में एक उदाहरण प्रस्तुत करने के लिए। राम तत्व ईश्वर है लेकिन सगुण राम एक सामान्य मानव की तरह व्यवहार करते हैं । कहते हैं राम ने एक सामान्य मानव की तरह जन्म लिया लेकिन अपने सत्कर्म से स्वयं को भगवान मानने के लिए लोगों को विवश कर दिया। भगवान राम का वनवास जाना न केवल अयोध्या वासियों के लिए बल्कि पूरी मानवता के लिए दुख का समय रहा। लेकिन वे राम है उन्होंने वनवास में भी वनवासियों के साथ साढे 13 वर्ष सुख और शांति से बिताये । एक राजपुत्र का वनवासियों की तरह रहना शायद सबसे कठिन काम है लेकिन राम ने इसे भी कर दिखाया। जब भगवती सीता का अपहरण हुआ तब थोड़ा विचलित हुए लेकिन अगले ही पल श्री हनुमान जी महाराज से मिलने के उपरांत सुग्रीव जी से संधि की। बुद्धि,कौशल और चातुर्य से महान वानर वीरों के साथ त्रिलोक विजई रावण पर विजय प्राप्त की। राम अयोध्या लौटते हैं तो लगता है एक राजपुत्र अयोध्या लौट रहा है पर ऐसा है नहीं। राम संकटों के बाद के सुख का चित्र प्रस्तुत करते हैं । काली अमावस की रात में अयोध्या में राम के स्वागत के लिए दिए जलाए जा रहे हैं। राम अपनी जन्मभूमि पर आने को आतुर है और जब वहां पहुंचते हैं तो लगता है उन्हें सब कुछ मिल गया । राम को अयोध्या पहुंचने की जितनी उत्सुकता है उससे कहीं अधिक उत्सुकता प्रजा जन को है । गोस्वामी जी मानस में लिखते हैं-

रिपु रन जीत सुजस सुर गावत
सीता अनुज सहित प्रभु आवत
जो जैसेही तैसेही उठी धावहीं
बाल वृद्ध कह स?ग ना लावही
एक एक से पूछेहूं जाई
तुम देखे कृपालु रघुराई

अर्थात सभी को प्रभु से मिलने की उत्सुकता है। अयोध्या जिसे राम रोता बिलखता छोड़ गए थे आज खुशी से फूली नहीं समा रही है। यही राम का आम जनमानस से जुड़ाव है कि जब उनके जीवन के दुख के क्षण आते हैं तो अयोध्या उनके साथ होती है और जब सुख के क्षण आते हैं तो अयोध्या प्रसन्न होती है,उनके स्वागत में वंदनवार लगाती है, राम के दर्शन करती है और स्वयं को कृतार्थ करती है। राम आपका इस पावन अयोध्या में भव्य स्वागत है आईये संभालिए अपना सिंहासन। हम सब उत्साहित हैं आपके राज्याभिषेक मैं शामिल होने के लिए और अविभूत है आपके दर्शन कर ।

जय श्री राम राजा सरकार की

आलोक पाठक , रघुराज693 भालदारपुरा जबलपुर

जनेकृविवि में बहुउद्धशीय भू परिदृश्य 1/4आई. डब्ल्यू. एम. आई.1/2परियोजना अंतर्गत दो दिवसीय मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण प्रारंभ

जबलपुर । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से बहुउद्देशीय भू परिदृश्य 1/4आई. डब्ल्यू. एम. आई.1/2 परियोजना अंतर्गत कृषकों की सतत आजीविका के लिए एकाधिक उद्यमों से क्षमता निर्माण हेतु मधुमक्खी पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला के मुख्यआतिथ्य एवं समन्वित कृषि प्रणाली, सस्य विज्ञान विभाग, की विभागाध्यक्ष डॉ. नम्रता जैन के निर्देशन में आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्यअतिथि संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला ने

मधुमक्खी पालन को कृषकों को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने की सलाह दी। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय,जबलपुर डॉ. अनिता बब्बर ने मधुमक्खी पालन से मिलने वाले विभिन्न उत्पादों को शहद, मोम इत्यादि की जानकारी दी। विभागाध्यक्ष डॉ. नम्रता जैन ने परियोजना की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कीट शास्त्र वैज्ञानिक डॉ. आर. एस. मरावी एवं मधुमक्खी पालन विशेषज्ञ मनोज पटेल ने मधुमक्खी पालन बक्से, फ्रेम्स तथा शहद निष्कासन प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंडला जिले के नारायणगंज ब्लाक के कान्हडांमाल एवं चिरई डोंगरी ग्रामों के 15 कृषक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उक्त कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. विकास गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. आरती श्रीवास्तव, श्री राकेश मालविया, दीपक सिंह मार्को, ज्योति कुशवाहा एवं सुदामा यादव आदि उपस्थित रहे।

अब सामान्य जीवन जी सकेगा 7 वर्षीय बालक

गैलेक्सी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, उखरी रोड के चिकित्सकों ने आरबीएसके की स्किम के तहत किया हृदय समस्या से पीड़ित बच्चे का सफल उपचार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गैलेक्सी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, उखरी रोड में हृदय की गंभीर समस्या से पीड़ित बच्चे का सफलता पूर्वक इलाज किया गया। बालाघाट से आए 7 वर्षीय एक पेशेंट को बचपन से ही हृदय में छेद की समस्या थी, जिसके चलते वह सामान्य बच्चों की तरह जीवन व्यतीत करने में असमर्थ था, लेकिन अब वह सामान्य बच्चों की तरह जीवन जी सकेगा। उसकी मुस्कान सबके चेहरों पर खुशियां लाएगी। उल्लेखनीय है कि ये ऑपरेशन आरबीएसके की स्किम के अंतर्गत किया गया। चिकित्सकों ने बताया कि हॉस्पिटल में लगातार बच्चों से जुड़ी जटिल समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, जितने भी चाइल्ड पेशेंट हाल ही में ऑपरेट किए गए हैं, उनका सक्सेस रेट शत-प्रतिशत ही रहा है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट के सफल प्रयासों, अनुभवी टीम व आधुनिक तकनीक के चलते यह संभव हुआ है। चिकित्सक बताते हैं कि आरबीएसके के माध्यम से इस तरह के बच्चों को आइडेंटिफाई करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। आरबीएसके की टीम का इसमें बहुत सहयोग है, जो कि कैम्पों के माध्यम से इस तरह की सर्जरी करवाते हैं, साथ ही गैलेक्सी हॉस्पिटल भी आरबीएसके माध्यम से इस तरह की सर्जरी व सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाता है पिछले 3 माह मे 10/12 जिले के ग्रामीण इलाके के 50 से भी ज्यादा बच्चों का हृदय का आपरेशन आरबीएस के माध्यम से सफलता पूर्वक किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना पनागर में श्रीमति शशि पटेल उम्र 40 वर्ष निवासी शिवाजी वार्ड पनागर ने लिखित शिकायत की कि उसके पति खेती करते है, उसका खाता यूनियन बैंक ऑफइंडिया, शाखा पनागर में है, बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने 5 लाख 19 हजार रूपये यूपीआई के माध्यम से उसके खाते से निकाल लिये है उसे खाते से उसका मोबाईल नम्बर लिंक था जो कि वर्ष 2023 में बंद हो गया था जिस कारण बैक से रूपये निकाले जाने के सम्बंध में उसे काई मैसिज प्राप्त नहीं हुये, जब वह अपना पैसा निकालने बैंक गयी

बाजारों में उमड़ी भारी भीड़, गुलजार हुआ सराफा, बर्तन बाजार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। . दीपावली के पांच दिवसीय महापर्व की शुरुआत माने जाने वाले धनतेरस के अवसर पर आज जबलपुर शहर की सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी. शुभ मुहूर्त में सोना, चांदी, बर्तन और वाहन खरीदने के लिए लोग बड़ी संख्या में बाज़ारों की ओर निकले. जिसके कारण शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था चरमरा गई. शाम 6 बजे से रात 8 बजे के बीच शहर के कम से कम पांच मुख्य बाजार में भारी भीड़ देखने को मिली.

बताया गया है कि सराफा बाजार, कोतवाली बर्तन बाजार और तीन पत्ती चौक, सुपर मार्के ट इलेक्ट्रानिक्स बाजार में सबसे भीषण जाम लगा रहा. उसे जोडने़ वाले तीन पत्ती चौक पर दर्ज किया गया. यहां ट्रैफिक की गति लगभग 0 से 5 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जिससे वाहन चालकों को जाम से निकलने में 30 मिनट से अधिक का समय लगा. इस क्षेत्र में सराफा की दुकानों के बाहर दोपहिया वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और पैदल यात्रियों की भारी संख्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया.

गोलबाजार और फुहारा चौक- ये दोनों पारंपरिक खरीदारी केंद्र आज पूरी तरह से पैदल यात्रियों के कब्जे़ में दिखे, जिसके चलते गोलबाज़ार से फुहारा चौक को जोडने़ वाले मुख्य मार्ग पर यातायात लगभग स्थिर रहा.

विजयनगर मेन रोड- विजयनगर जो शहर का एक महत्वपूर्ण आवासीय और वाणिज्यिक केंद्र है यहां भी यातायात का भारी दबाव देखा गया. खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल शोरूम्स की ओर जाने वाले रास्तों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं. दमोह नाका चौराहा- शहर के पूर्वी हिस्से को जोडने़ वाला यह महत्वपूर्ण जंक्शन आज वाहनों के जमावड़े का केंद्र रहा. बसों, ट्रकों और निजी वाहनों के कारण यहां मध्यम से धीमी गति का यातायात रहा.

मालवीय चौक- शहर का यह प्रमुख चौराहा भी धनतेरस की भीड़ से अछूता नहीं रहा. यहां आस-पास के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल में आने वाले ग्राहकों के कारण सड़कें प्रभावित रहीं.

अतिरिक्त यातायात और पार्किंग की चुनौती-

यातायात विशेषज्ञों ने बताया कि जबलपुर में धनतेरस की भीड़ हर साल बढ़ती है. लेकिन इस साल एक अतिरिक्त कारण विजयनगर की अवैध चौपाटी को हटाने की हालिया कार्रवाई भी रही. चौपाटी हटने के बाद व्यापारियों को वैकल्पिक स्थानों की तलाश करनी पड़ी जिसका सीधा असर आस-पास के मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित पार्किंग और पैदल यात्रियों की आवाजाही के रूप में दिखाई दिया, जिससे संकरी सड़कों पर वाहनों का निकलना लगभग असंभव हो गया.

पुलिस और परिवहन व्यवस्था की स्थिति-

ट्रैफिक कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार इन रेड ज़ोन्स को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन प्लान को आंशिक रूप से लागू किया गया. अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई. हालांकि लोगों द्वारा पार्किंग स्थलों के बजाय सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से वाहन खड़े करने की प्रवृत्ति ने पुलिस के लिए चुनौती खड़ी कर दी.

सार्वजनिक परिवहन जैसे ऑटो-रिक्शा भी जाम में फंसे रहे, जिससे यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से दोगुना समय लगा. कई स्थानीय निवासियों ने सोशल मीडिया पर गूगल मैप्स के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए अधिकारियों से बेहतर पार्किंग प्रबंधन और स्थानीय डायवर्जन प्लान की मांग की.

जबलपुर की मेन वाटर लाइन शरारती तत्वों ने तोड़ी, आधा शहर पानी के लिए परेशान, निगम ने दर्ज कराई एफआईआर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। दीपावली से ठीक पहले जब घरों में साफ-सफाई और तैयारियों के लिए सबसे ज्यादा पानी की जरूरत होती है, उसी समय जबलपुर शहर के एक बड़े हिस्से में पानी की किल्लत हो गई। शुक्रवार को परियट जलाशय से शहर की ओर आने वाली 52 इंच की मेन राइजिंग पाइप लाइन को अज्ञात शरारती तत्वों ने हथोड़े से तोड़ दिया, जिससे हजारों गैलन पानी बह गया और आधे शहर में जलापूर्ति ठप हो गई।

जानकारी मिलते ही एमआईसी सदस्य एवं जल प्रभारी दामोदर सोनी निगम की जल विभाग टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पाइप लाइन की मरम्मत शुरू करवाई। निगम की टीम पूरी रात पाइप को जोड़ने के काम में जुटी रही और शनिवार सुबह तक लाइन को ठीक कर लिया गया।

इस घटना के बाद खमरिया थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। निगम अधिकारियों का कहना है कि शनिवार शाम तक प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

प्रभावित क्षेत्र

परियट जलाशय की यह मेन राइजिंग लाइन नारायण धाम, उमरिया, खमरिया होते हुए रांझी जल शोधन संयंत्र तक जाती है। पाइपलाइन फूटने से निम्न क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच सका- रांझी रावण पार्क संजय नगर मुक्तिधाम शोभापुर कंचनपुर शारदा नगर राम नगर बजरंग नगर मढई बिलपुरा मानेगांव आधारताल

निगम की अपील

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि जल आपूर्ति बहाल होने तक पानी का संयमित उपयोग करें और किसी भी प्रकार की पाइपलाइन क्षति की जानकारी तुरंत निगम नियंत्रण कक्ष को दें। एमआईसी सदस्य दामोदर सोनी ने कहा कुछ असामाजिक तत्वों ने त्योहार के समय शहर को परेशान करने की साजिश की है। दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जुआ के फड़ों पर छापा, 21 जुआडी, गिरफ्तार, 18 हजार 180 रूपये जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी पाटन श्री गोपिन्द्र सिंह ने बताया कि ग्राम सकरा में कुछ जुआड़ी ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे हैं सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई ग्राम सकरा में प्रदीप पटैल के घर के पास खाली मेदान में नेट बिछाकर जुआड़ी मोबाइलों की टार्च में ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे थे जिन्हे घेराबंदी कर पकड़ा गया, नाम पता पूछने पर सभी ने अपने नाम क्रमशः राकेश जैन निवासी बाजार मोहल्ला पाटन, गोविन्द यादव निवासी वार्ड नम्ब्र 3 कटंगी, देवेन्द्र यादव निवासी चौधरी मोहल्ला पाटन, प्रदीप जैन निवासी वाजार वार्ड कटंगी, पुष्पेन्द्र खरे निवासी मेन रोड कटंगी पड़ाव के पास, अमित नेमा निवासी कूडन मोहल्ला कटंगी, गोविन्द सिंह राजपूत निवासी वार्ड नम्बर 6 कटंगी, उमेश गोड़ ठाकुर निवासी ग्राम उमरिया थाना तेदुखेड़ा वर्तमान पता ग्राम सकरा, सुखदेचव यादव निवासी वार्ड नम्बर 3 कटंगी बताये, जुआड़ियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते, 14 हजार 230 रूपये, 9 नग मोबाइ, नेट जप्त करते हुये जुआड़ियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय भूमिका- जुआडियो को जुआ खेलते हुये रंगे हाथ पकड़ने में उप निरीक्षक जितेन्द्र दुबे, आकाशदीप, अरविंद सिंह, आरक्षक विनय, रामगोपाल, अनुराग की सराहनीय भूमिका रही। थाना प्रभारी भेड़ाघाट श्री कमलेश चौरिया ने बताया कि को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम गड़र पिपरिया नहर के पास कुछ जुआड़ी बिजली खम्बे के नीचे लाईट के उजाले में ताश पत्तों पर रूपये की हारजीत का दाव का लगाकर जुआ खेल रहे हैं, सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गयी जहॉ कुछ जुआडी जुआ खेलते हुये दिखे

अज्ञात चोर सोने चांदी के जेवर एवं नगदी रूपये चोरी कर ले गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना भेड़ाधाट में श्रीमति बिनीता पटैल उम्र 37 वर्ष निवासी ग्राम छितुरहा पाटन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह वर्तमान में लगभग 2-3 वर्ष से मनोज ठाकुर के मकान राधेकृष्ण हौटल के पीछे भेड़ाधाट चौराहे पर परिवार सहित किराये से रहती है दिनांक 16-10-25 को शाम लगभग 6 बजे खेत के काम से परिवार सहित अपने गांव चले गये थे आज सुबह लगभग 8 बजे वापस आये तो बाहर का मेन गेट का कुंदा टूटा था घर के दरवाजे खुले हुये थे अंदर जाकर देखा आलमारी खुली थी आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवर जिनमें सोने की झुमकी 1 जोड़ी, बाले 3 जोड़ी, कंगन 1 जोड़ी, अंगूठी 1 नग, मंगलसूत्र छोटे बड़े 3 नग, बिचौली 1 नग, चांदी की 3 जोडी पायल तथा नगदी 5 हजार रूपये गायब थे। कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 412/25 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

थाना पाटन में आज दिनांक 17-10-25 को रामकुमार ठाकुर उम्र 60 वर्ष निवासी साहू कालोनी पाटन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अनाज खरीदने एवं बेचने का काम करता है मां नर्मदा टेड्डर्स नाम से एक फर्म जिसका वह संचालन करता है दिनांक 16-10-25 को वह कृषि उपज मंडी पाटन में अनाज (मक्का) की खरीदी कर रहा था दिन में लगभग 1 बजे उसने राजाराम बर्मन निवासी कुटरी बेलखेड़ा से 43 बोरी (21.71 क्विंटल) मक्का 1430 रूपये प्रति क्विंटल के भाव से खरीदी थी उसके बाद उसने मक्का तौल कराने हेतु बड्डू चौधरी एवं अन्य पल्लेदारों को भेजा जिन्हौंने बोरियों की तौल कर मक्का की बोरियां वहीं सेड के नीचे रख दी थी, उसने अनाज की रखवाली के लिये अपने मुनीम रत्नेश ठाकुर को लगा दिया और अपने कार्यालय मे चला गया था रात लगभग 9 बजे मंडी में बोरियां उठाने गाड़ी लेकर पहुँचा उसने देखा उसके द्वारा खरीदी की गई 43 बोरिया (21.71 क्विंटल) मक्का वहां पर नहीं थी उसने रत्नेश से पूछा जो बताया कि थोड़ी देर के लिये दूसरे ढेर तरफगया था उसी समय कोई मक्का की बोरियां चोरी कर ले गया है। उसे शंका है कि कोई अज्ञात चोर उसकी मक्का की बोरियां चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

थाना मझगवां में दिनांक 16-10-25 को रंजीत कुमार चौधरी उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम सरौली ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह वाईपास तिराहा पेट्रोल पम्प के पास सरकारी जमीन में टपरा रखकर आन लाईन का काम करता है

एसडीएम एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों ने किया पटाखा दुकानों का निरीक्षण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पटाखा दुकानों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा दिये गये निर्देशानुसार एसडीएम एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों ने आज शनिवार को शहपुरा,

कुंडम, सिहोरा, पाटन, राँझी, सदर, गोराबाजार, खमरिया, घमापुर, कांचघर, गोलबाजार सहित जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पटाखा दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान पटाखा व्यापारियों को लाइसेंस की शर्तों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये गये तथा अग्नि सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी गई। निरीक्षण के दौरान पटाखा व्यापारियों के लाइसेंस एवं स्टॉक रजिस्टर की जाँच भी की गई।

अब देश की मिट्टी से बने दीपों से सजाएँगे घर ऑंगन - महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'',भूरी चाची से खरीदे स्वदेशी दीए और रंगोली

जबलपुर। देश-प्रदेश के साथ-साथ संस्कारधानी में दीपोत्सव का त्योहार धूम धाम से मनाने की पूरी तैयारी है। माँ महालक्ष्मी की पूजा-अर्चन के उपरांत एक दूसरे के साथ भाईचारे एवं दीपोत्सव त्योहार की शुभकामनाएँ आदान प्रदान करने की शुरूआत हो गई है। ऐसे पुनीत मौके पर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के उन सपनों को पूरा करने में सहयोग करने का भी हमारे और आपके पास पुनीत मौका है। स्वदेशी विचारधारा अपनाएं और देश को उन्नत करने में अपनी भागीदारी करें। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने स्वदेशी भाव प्रकट कर अपने घर ऑंगन को केमिकल रहित देश की पवित्र मिट्टी से बने दीपों से सजाने का संकल्प लिया है और भूरी चाची से स्वदेशी दीए एवं रंगोली खरीदे। संस्कारधानी के सभी सम्माननीय नागरिकों से भी अपील की है, कि सभी लोग स्वदेशी विचारधारा को अपनाएं और अपनी देश की मिट्टी से बने दीपों का ही दीपोत्सव में उपयोग करें और मिट्टी के दिये बनाने वाले हमारे श्रम करने वाले कलाकारों का उत्साहवर्धन के साथ-साथ उनके घर ऑंगन में दीप जले ऐसी माँ लक्ष्मी से प्रार्थना करें। महापौर श्री अन्नू ने दीपोत्सव का त्योहार भाईचारे और सद्भाव के तहत् मनाने की भी सभी सम्माननीय नागरिको से अपील की है उन्होंने आतिशबाजी के समय सभी से सावधानी बरतने का भी आग्रह किया है। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' ने आज शहर के समस्त सम्माननीय नागरिकों और अधिकारियों, कर्मचारियों को धनतेरस, दीपावली की शुभकामनाएँ दी और सभी के जीवन में खुशहाली आए और जीवन प्रकाशमय हो की कामना की। ये दीपावली आपकी सभी मनोकामना पूरी करे आगे आने वाला वर्ष आपका बहुत उन्नती वाला हो खूब तरक्की हो आपके परिवार

दो पक्षों ने की आपस में मारपीट

जबलपुर- थाना पाटन में श्रीमति कुमता बाई मल्लाह उम्र 23 वर्ष निवासी गाड़ाधाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका जेठ ब्रजेश एवं जेठानी कविता का घर उसके घर के बाजू मे है आज दोपहर लगभग 2 बजे उसके पति दिनेश मल्लाह घर के बाहर आंगन में बाथरूम बना रहे थे तभी जेठ ब्रजेश एवं जेठानी कविता आकर उसके पति को बाथरूम बनाने से मना किये एवं पति के साथ गाली गलोज करने लगे, पति ने गालियां देने से मना किया तो दोनों उसके पति के साथ हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगे वह बीच बचाव करने लगी तो जेठानी कविता ने उसे पकड़ लिया और जेठ ने उसका सिर दीवार पर मार दिया जिससे सिर मे चोट आई कविता ने हाथ मुक्कों से मारपीट कर पीठ में चोट

दैनिक क्षितिज किरण की एजेंसी देना है

कटनी, उमरिया, दमोह, मंडला, सिवनी, छिन्दवाड़ा, बालाघाट और अन्य जिलों में एजेन्सी देना है। डिपाजित जमा करने में सक्षम व्यक्ति ही संपर्क करें।

संपर्क -9300696096

व्यवस्थापक
दैनिक क्षितिज किरण,
जबलपुर संस्करण

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2025-26/ एम/141 जबलपुर दिनांक 17.10.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री राजेश पाठक, पिता स्व. श्री सीता चरण, श्री अनुराग पाठक, पिता श्री राजेश पाठक,** मकान नं. 494/68 **वार्ड पं. गोविन्द बल्लभ पंत** पिन नं. 1000703355 ,क्षेत्रफल 1000 व.फु., भूतल 818 व.फु., प्रथमतल 818 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2025-26/ एम/139 जबलपुर दिनांक 15.10.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री वरूण तिवारी, पिता श्री वीरेन्द्र कुमार तिवारी** मकान नं. 25 **वार्ड डॉ. राम मनोहर लोहिया** पिन नं. 1000356005 ,क्षेत्रफल 1200 व.फु., भूतल 1000 व.फु., प्रथमतल 1000 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096